सुविचार

नफरत को हजार
मौके दो
कि वो प्रेम में
परिवर्तित हो जाए,
लेकिन प्रेम को एक
भी मौका मत दो,
कि वो नफरत में
बदल जाए।

प्रथम न्यूज

PRATHAM NEWS — राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

Website: www.prathamnews.in | email:- dainikprathamnews@gmail.com | Pratham News | @dainikprathamnews

मुंबई ने धर्मशाला में लगाया जीत का तिलक, 5 हार के बाद पंजाब किंग्स की मुश्किलें बढ़ीं...

» पृष्ठ 7 पर

जालंधर, वर्ष: 16 अंक : 133 | दिनांक : शुक्रवार, 15 मई 2026 | सम्पादक : विवेक धीर | सम्पर्क: | 97796-00900 | पन्ने- 8 | मूल्य: ₹ 2.00/- | RNI No I PUNHIN/2010/36540

देश में SIR के तीसरे फेज का ऐलान

करीब 37 करोड़ वोटरों का वेरिफिकेशन होगा, लगभग 4 लाख BLOs तैनात किए जाएंगे

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

14 मई (एएम नाथ)

देश में अब SIR के तीसरे फेज का ऐलान हो गया है। भारत निर्वाचन आयोग ने (ECI) ने गुरुवार (14 मई) को मतदाताओं के विशेष गहन पुनरीक्षण (Special Intensive Revision) के तीसरे फेज (Phase-III) के संबंध में अधिसूचना जारी की है।

ECI के अनुसार, तीसरे फेज की SIR प्रक्रिया में पंजाब-हरियाणा और चंडीगढ़ समेत देश के 16 राज्य और 3 केंद्र शासित प्रदेश चरणबद्ध तरीके से कवर किए जाएंगे। इस दौरान करीब 37 करोड़ वोटरों का हाउस टू हाउस वेरिफिकेशन होगा। चुनाव आयोग का कहना है कि SIR के तीसरे फेज को जनगणना की चल रही प्रक्रिया में लगी फील्ड मशीनरी को ध्यान में रखते हुए तय किया गया है।

हिमाचल, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में SIR नहीं

फिलहाल हिमाचल, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में SIR की प्रक्रिया नहीं कराई जाएगी। चुनाव आयोग का कहना है कि SIR का तीसरा चरण हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख को छोड़कर पूरे देश को कवर कर लेगा। जबकि हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख में जनगणना के दूसरे चरण के पूरा होने और ऊपरी इलाकों/बर्फ से ढके क्षेत्रों में मौसम

की स्थिति पर उचित विचार करने के बाद, SIR का कार्यक्रम बाद में घोषित किया जाएगा।

लगभग 4 लाख BLOs तैनात किए जाएंगे

तीसरे फेज की SIR प्रक्रिया में लगभग 4 लाख बूथ लेवल अधिकारी यानि BLOs तैनात किए जाएंगे। चुनाव आयोग ने बताया है कि SIR के तीसरे चरण के दौरान, 3.94 लाख से अधिक बूथ स्तरीय अधिकारी (BLOs) घर-घर जाकर 36.73 करोड़ मतदाताओं से संपर्क करेंगे। इसमें उनकी सहायता 3.42 लाख बूथ स्तरीय एजेंट (BLAs) करेंगे, जिन्हें राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त किया जाएगा।

ECI ने कहा कि सभी राजनीतिक दलों से अनुरोध है कि वे BLAs नियुक्त करें, ताकि राजनीतिक दलों की पूर्ण भागीदारी सुनिश्चित हो सके और SIR पूरी पारदर्शिता तथा राजनीतिक दलों की पूर्ण भागीदारी के साथ संपन्न हो सके।

SIR के 2 फेज में 59 करोड़ मतदाताओं का वेरिफिकेशन

चुनाव आयोग ने जानकारी दी कि SIR के पहले दो चरणों में यानि पहले पूरे किए गए 2 फेज में देश के 13 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को कवर किया गया, जिनमें लगभग 59 करोड़ मतदाताओं का वेरिफिकेशन हुआ। वहीं SIR के 2 फेज की प्रक्रिया में 6.3 लाख से अधिक बूथ लेवल अधिकारी BLOs और राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त 9.2 लाख बूथ स्तरीय एजेंट BLAs ने भाग लिया।

राजनाथ सिंह की पाकिस्तान को चेतावनी

बोल, फिर नजर उठाई तो 'जो अब तक नहीं हुआ वो होकर रहेगा'

» प्रथम न्यूज । जयपुर

14 मई (ब्यूरो)

केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि उसने फिर से भारत की ओर नजर उठाने की कोशिश की, तो जो अब तक नहीं हुआ है, वह होकर रहेगा। उन्होंने कहा कि भारत अब आतंकवाद के खिलाफ बिल्कुल भी नरमी बरतने वाला देश नहीं है और दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

रक्षा मंत्री राजस्थान के नागौर जिले के मेड़ता कस्बे में राजपूत शासक राव दूदा की प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने पूरी दुनिया को साफ संदेश दे दिया है कि आतंकवाद किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने भारतीय सेना के 'ऑपरेशन सिंदूर' की सराहना करते हुए कहा कि इस अभियान ने नया इतिहास रचा है। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत की नीति शुरू से स्पष्ट रही है कि हम किसी को छेड़ते नहीं, लेकिन अगर कोई हमें छेड़ेगा तो उसे छोड़ेंगे भी नहीं। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र करते हुए कहा कि

आतंकवादियों ने लोगों से धर्म पूछकर हत्या की, जो इंसानियत और भारतीय संस्कृति के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि पूरा देश इस घटना से आक्रोशित था, जिसके बाद भारत ने ऐसा जवाब दिया कि दुश्मनों के होश उड़ गए। रक्षा मंत्री ने कहा कि अब भारत चुपचाप सहने वाला देश नहीं रहा। यदि कोई भारतीय नागरिकों पर हमला करेगा तो भारत उसके घर में घुसकर जवाब देगा।

उन्होंने कहा कि पिछले दस वर्षों में भारत की सुरक्षा नीति में ऐतिहासिक बदलाव हुए हैं और अब देश जीरो टॉलरेंस ऑन टेररिज्म की नीति पर काम कर रहा है।

संक्षिप्त न्यूज

गौतम अदाणी के खिलाफ अमेरिका में खत्म होंगे केस

नई दिल्ली (ब्यूरो)- अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी के खिलाफ अमेरिका में लगे धोखाधड़ी के आरोप जल्द ही खत्म हो सकते हैं। ब्लूमबर्ग ने मामले से जुड़े सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि अमेरिकी अधिकारियों ने ये मामला सुलझाने और आपराधिक मामले को वापस लेने की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। इसी के साथ पिछले एक साल से चल रहे कानूनी विवाद का अंत हो सकता है।

ब्लूमबर्ग का दावा है कि अमेरिका का न्याय विभाग इसी हफ्ते अदाणी के खिलाफ आरोपों को वापस लेने की घोषणा कर सकता है। अमेरिकी सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (SEC) भी अदाणी और अन्य के खिलाफ नवंबर 2024 में शुरू किए गए समानांतर सिविल फ्रॉड के मामले को निपटाने की तैयारी कर रहा है।

केरलम में 18 मई को सीएम पद की शपथ लेंगे वीडी सतीशन

राहुल गांधी समेत कई कांग्रेस नेता होंगे शामिल

नई दिल्ली (ब्यूरो)- केरलम के भावी मुख्यमंत्री वीडी सतीशन 18 मई तो पद की शपथ लेंगे। उनके साथ कुछ विधायक भी मंत्री पद की शपथ लेंगे। कांग्रेस ने सतीशन को सीएम पद के चुना है। गुरुवार को सतीशन ने कांग्रेस नेताओं के साथ राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर से मुलाकात कर औपचारिक रूप से सरकार बनाने का दावा पेश किया। उनका शपथ ग्रहण समारोह तिरुवनंतपुरम में 18 मई को सुबह 10 बजे होगा। इस समारोह में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे समेत कई कांग्रेस नेता शामिल होंगे। सतीशन ने बताया कि पार्टी का राष्ट्रीय नेतृत्व इस समारोह के लिए अन्य राज्यों के नेताओं को आमंत्रित करेगा। पार्टी नेताओं के अनुसार, यह समारोह तिरुवनंतपुरम के सेंट्रल स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। सतीशन ने बताया कि अन्य मंत्रियों के चयन पर जल्द ही अंतिम निर्णय ले लिया जाएगा और इस संबंध में चर्चा शुक्रवार से शुरू होगी। सतीशन ने यह भी बताया कि वे पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन से भी समय लेकर मुलाकात करेंगे।

उत्तराखंड में UCC के तहत हलाला का पहला मामला

हरिद्वार में दर्ज की गई FIR

देहरादून (ब्यूरो)- उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू होने के बाद हलाला का यह पहला मामला है। हरिद्वार जिले के बुग्गावाला थाने में पुलिस ने एक महिला की शिकायत पर उसके पति और ससुराल वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। शिकायतकर्ता शाहिन ने अपने पति मोहम्मद दानिश और ससुराल पक्ष के अन्य सदस्यों के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, दानिश पर अपनी पत्नी को प्रताड़ित करने और विवाह से संबंधित अधिकारों के उल्लंघन का आरोप है। इस मामले में पुलिस ने आरोपी पति दानिश के खिलाफ समान नागरिक संहिता, उत्तराखंड 2024 (संशोधन 2026) की धारा 32(1)(ii) और 32(1)(iii) के तहत कार्रवाई की है, जो विशेष रूप से हलाला जैसी प्रथाओं को प्रतिबंधित और दंडनीय बनाती हैं।

पंजाब सरकार का बड़ा कदम

अग्निवीरों को मिलेगा नौकरी में आरक्षण : मान

- **सरकारी नौकरियों में मिलेगा लाभ, उच्चस्तरीय समिति का गठन**
- **अग्निवीरों के पुनर्वास पर जोर, पुलिस व अन्य विभागों में अवसर**

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़

14 मई (एएम नाथ)

पंजाब सरकार ने अग्निपथ योजना के तहत सेना में अग्निवीर के रूप में सेवा पूर्ण करने वाले युवाओं के पुनर्वास को लेकर एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। राज्य सरकार ने अग्निवीरों के लिए सरकारी नौकरियों में आरक्षण नीति तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस संबंध में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने सैद्धांतिक मंजूरी देते हुए एक उच्चस्तरीय समिति के गठन की घोषणा की है, जो नीति का विस्तृत खाका तैयार करेगी।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने सिविल और पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों की एक समिति गठित की है, जिसमें विकास प्रताप, भावना गर्ग, सुमेर सिंह गुर्जर और एस.एस. श्रीवास्तव शामिल हैं। यह समिति विभिन्न सरकारी विभागों में अग्निवीरों को आरक्षण देने और भर्ती से जुड़े मानदंडों पर सिफारिशें तैयार करेगी। सरकार का उद्देश्य इस नीति को तय समय सीमा के भीतर अंतिम रूप देना है, ताकि प्रशिक्षित और अनुशासित युवा राज्य के विकास में योगदान दे सकें।

उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अग्निवीरों के कौशल और प्रशिक्षण का उपयोग पंजाब पुलिस, वन विभाग, अग्निशमन सेवाएं, जेल विभाग, होमगार्ड, पेस्को सहित कई अन्य विभागों में प्रभावी रूप से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह कदम न केवल युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करेगा, बल्कि राज्य की प्रशासनिक क्षमता को भी मजबूत बनाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की सेवा करने के बाद लौटने वाले इन युवाओं का उचित पुनर्वास सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि नीति का निर्माण व्यापक दृष्टिकोण के साथ किया जाएगा, जिससे अग्निवीरों के अनुभव और अनुशासन का लाभ राज्य को मिल सके।

उन्होंने पंजाब की ऐतिहासिक भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य हमेशा देश की एकता और सुरक्षा में अग्रणी रहा है। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि राज्य सरकार शहीद होने वाले जवानों के परिवारों को एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता पहले से प्रदान कर रही है, जो सरकार की सैनिक कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सरकार का मानना है कि यह आरक्षण नीति अग्निवीरों के लिए रोजगार के नए अवसर खोलेगी और देश सेवा के बाद उनके जीवन को स्थिरता प्रदान करेगी। इस पहल से राज्य में सुरक्षा बलों और अन्य विभागों में प्रशिक्षित मानव संसाधन की उपलब्धता भी बढ़ेगी।

हरियाणा सरकार ने कर्मचारियों का बढ़ाया DA

कर्मचारियों का डीए 474 प्रतिशत से बढ़ाकर 483 प्रतिशत कर दिया गया

3 लाख पेंशनर्स को नहीं मिली राहत

चंडीगढ़ (एएम नाथ)- हरियाणा की नायब सिंह सैनी सरकार ने पांचवें और छठे वेतन आयोग के तहत वेतन पाने वाले सरकारी कर्मचारियों को बड़ी राहत देते हुए महंगाई भत्ते (DA) में बढ़ोतरी कर दी है। हालांकि प्रदेश के करीब 3 लाख पेंशनभोगियों को फिलहाल इस फैसले का लाभ नहीं मिला है, जिससे उनमें नाराजगी देखी जा रही है।

वित्त विभाग द्वारा जारी आदेशों के अनुसार, यह बढ़ोतरी केवल वर्तमान में कार्यरत नियमित कर्मचारियों पर लागू होगी। आमतौर पर कर्मचारियों के डीए में वृद्धि के साथ ही पेंशनर्स की महंगाई राहत (DR) में भी बढ़ोतरी कर दी जाती है, लेकिन इस बार पेंशनभोगियों के लिए अलग से कोई आदेश जारी नहीं किया गया।

वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग कुमार गुप्ता द्वारा जारी पत्र के मुताबिक, पांचवें वेतन आयोग के तहत कर्मचारियों का डीए 474 प्रतिशत से बढ़ाकर 483 प्रतिशत कर दिया गया है। वहीं छठे वेतन आयोग के कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है, जिससे उनका डीए 257 प्रतिशत से बढ़कर 262 प्रतिशत हो गया है।

सरकार की ओर से जारी आदेश के अनुसार, बढ़ा हुआ डीए जून महीने के वेतन के साथ कर्मचारियों के खातों में आएगा। इसके अलावा जनवरी से अप्रैल तक के चार महीनों का एरियर भी एकमुश्त दिया जाएगा।

हालांकि पेंशनर्स संगठनों का कहना है कि महंगाई राहत पर फैसला न होने से सेवानिवृत्त कर्मचारियों में असंतोष है। उनका कहना है कि कर्मचारियों की तरह पेंशनभोगियों को भी बढ़ती महंगाई से राहत मिलनी चाहिए और सरकार को जल्द छ्रक्रबढ़ोतरी का आदेश जारी करना चाहिए।

उत्तर प्रदेश में आसमानी बिजली का कहर, 111 की मौत

» प्रथम न्यूज । लखनऊ

14 मई (ब्यूरो)

उत्तर प्रदेश में खराब मौसम, आंधी-तूफान और आकाशीय बिजली ने भारी तबाही मचाई है। प्रदेश में पिछले 24 घंटे में आंधी-तूफान व आकाशीय बिजली गिरने से 111 लोगों की मौत हुई है, जबकि 72 लोग घायल हुए हैं। इसके अलावा 170 पशुहानि और 227 मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं। दूसरी तरफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी जिलों के प्रभारी मंत्रियों को प्रभावित परिवारों से मुलाकात करने और हालात का जायजा लेने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री संबंधित जिलों के जिलाधिकारियों को 24 घंटे के भीतर प्रभावित परिवारों को मुआवजा देने के भी निर्देश दिए हैं।

सीएम योगी ने 24 घंटे में मुआवजा देने के दिए निर्देश

राहत आयुक्त कार्यालय को खराब मौसम से प्रभावित 26 जिलों से भेजी रिपोर्ट के मुताबिक प्रयागराज में सबसे ज्यादा 21 लोगों की मौत हुई है। मीरजापुर में 19, संत रविदास नगर में 16 और फतेहपुर में 11 लोगों की जान गई। रायबरेली और उन्नाव में छह-छह लोगों

की मौत दर्ज की गई है। वहीं बदायूं में पांच लोगों की मौत हुई है। प्रतापगढ़ में चार, सोनभद्र व सीतापुर में तीन-तीन और हरदोई, बहराइच, बरेली, चंदौली, कानपुर देहात व संभल में दो-दो लोगों की मौत हुई है।

राहत आयुक्त कार्यालय की रिपोर्ट के अनुसार मीरजापुर में 18, फतेहपुर में 15 व संत रविदास नगर में 11 लोग घायल हुए हैं। वहीं कानपुर देहात में सर्वाधिक 33 पशुहानि हुई है, जबकि संत रविदास नगर में 29, रायबरेली में 24, प्रयागराज में 20 व मीरजापुर में 16 पशुहानि के मामले सामने आए हैं। सोनभद्र में सर्वाधिक 75 मकान क्षतिग्रस्त होने की सूचना है। इसके अलावा मीरजापुर में 46, बरेली में 21, बदायूं व प्रयागराज में 16-16 और संत रविदास नगर व सीतापुर में 14-14 मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं।

वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंडलायुक्तों व जिलाधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल राहत कार्य करने व 24 घंटे के भीतर मुआवजा जारी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि राहत कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

जालंधर ब्लास्ट केस में बड़ी कामयाबी

IED से धमाका करने वाला आरोपी गिरफ्तार, शहजाद भट्टी गैंग से कनेक्शन

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

14 मई (एएम नाथ)

पंजाब के जालंधर में BSF कैंप के बाहर हुए IED ब्लास्ट मामले में सुरक्षा एजेंसियों को बड़ी सफलता मिली है। इस हमले को अंजाम देने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। सूत्रों के मुताबिक आरोपी पंजाब का ही रहने वाला है और उससे पूछताछ जारी है।

जांच में सामने आया है कि आरोपी ने बेहद हैरान करने वाला तरीका अपनाया। IED में अपना ही सिम कार्ड लगाया गया था। आरोपी ने उसी नंबर पर फोन कॉल किया। कॉल मिलते ही IED में विस्फोट हुआ। इस तकनीक ने एजेंसियों को भी चौंका दिया है और इसे सुनियोजित साजिश का हिस्सा माना जा रहा है।

पाकिस्तानी आतंकी शहजाद भट्टी मास्टरमाइंड - सूत्रों के मुताबिक इस पूरे ब्लास्ट का मास्टरमाइंड पाकिस्तानी आतंकी शहजाद भट्टी बताया जा रहा है। ISI के लिंक की भी जांच की जा रही है और साथ ही आरोपी के विदेश कनेक्शन खंगाले जा रहे हैं।

बॉर्डर एरिया से मिला विस्फोटक

जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि IED बनाने के लिए इस्तेमाल विस्फोटक आरोपी को सीमा से सटे इलाके में मौजूद एक शख्स ने उपलब्ध कराया था। इस सप्लायर की भी पहचान कर ली गई है। उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है।

पेट्रोल-डीजल बचाने के लिए बड़ा ऐलान, कार कम चलाने वालों को इनाम

20 प्रतिशत कर्मचारियों को घर से काम करने के लिए कहा

नई दिल्ली (एएम नाथ)- ईंधन बचत के लिए PM मोदी की अपीलों के बाद सरकार के सभी महकमे इसे अमली जामा पहनाने में जुट गए हैं। अधिकांश मंत्रियों और एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने काफिले में कटौती से लेकर विदेश यात्राएं रोकने जैसे कई कदम उठाए हैं। इसी दिशा में ऊर्जा मंत्रालय ने भी कुछ नई पहल की हैं। केंद्रीय ऊर्जा और शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने अपने काफिले से बाकी गाड़ियां हटा कर अब केवल दो गाड़ियां रखी हैं। उनके लिए अब एक ईवी गाड़ी भी तैयार की जा रही है। प्रधानमंत्री ने कहा है कि नई ईवी गाड़ी न खरीदी जाए। इसलिए मौजूदा ईवी गाड़ियों में से ही एक में जल्दी ही मनोहर लाल यात्रा करते नजर आएंगे। उन्होंने दिल्ली से बाहर की यात्राएं ट्रेन से करने का फैसला किया है।

ऊर्जा मंत्रालय में भी ईंधन बचत के लिए कई बड़े कदम उठाए जा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार सोमवार से 20 प्रतिशत कर्मचारी वर्क फ्रॉम होम करेंगे। इसके लिए रोस्टर बनाया जा रहा है, ताकि सप्ताह के हर दिन 20 प्रतिशत कर्मचारियों को घर से काम करने के लिए कहा जा सके। साथ ही, सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को मेट्रो का अधिकतम उपयोग करने के लिए कहा गया है।

मंत्रालय से जुड़ी सरकारी कंपनियों के कर्मचारियों और अधिकारियों को भी ऐसा ही करने के लिए कहा गया है। लेकिन वर्क फ्रॉम होम साइट पर काम करने वाले कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा, क्योंकि वहां उनकी मौजूदगी जरूरी होती है।

संक्षिप्त न्यूज

लोग फर्जी पत्रकारों से रहें सावधान : अनुज खेमका

अमृतसर (साहिब दयाल) राष्ट्रीय हिंदू चेतना मंच की बैठक पंजाब प्रधान अनुज खेमका की अध्यक्षता में हुई। बैठक में मंच की गतिविधियों को लेकर विचार-विमर्श किया। अनुज खेमका ने कहा कि फर्जी पत्रकारों द्वारा ब्लैकमेलिंग और वसूली की घटनाएं शहर में तेजी से बढ़ रही हैं। इससे आम नागरिक, व्यापारी और सरकारी कर्मचारी बेहद परेशान हैं। यह तथाकथित पत्रकार गले में फर्जी आईडी कार्ड डालकर, सोशल मीडिया या यूट्यूब चैनलों का सहारा लेकर लोगों को डराते-धमकाते हैं और खबर चलाने का डर दिखाकर मोटी रकम वसूलते हैं। प्रशासन को ऐसे फर्जी पत्रकारों के खिलाफ कार्रवाही करनी चाहिए। इस दौरान उन्होंने लोगों से भी अपील की है कि वह ऐसे फर्जी पत्रकारों से सावधान रहे और जब भी वह रुपयों के लिए ब्लैकमेल कर तो तुरंत इसकी शिकायत पुलिस को दी जाए।

खालसा कॉलेज माहिलपुर में बी.कॉम का नतीजा शानदार

दो छात्राएं विश्वविद्यालय की मेरिट सूची में

माहिलपुर (तरसेम दीवाना)- पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ द्वारा घोषित नतीजों में क्षेत्र के श्री गुरु गोबिंद सिंह खालसा कॉलेज माहिलपुर के पोस्ट ग्रेजुएट कॉमर्स और बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग में चल रहे कोर्स बी.कॉम सेमेस्टर पहले का नतीजा शानदार रहा है। इस बारे में बात करते हुए प्रिंसिपल डॉ. परविंदर सिंह और कॉमर्स विभाग की प्रमुख डॉ. बिमला जसवाल ने बताया कि बी.कॉम सेमेस्टर पहले के नतीजे में छात्रा जसलीन कौर और छात्रा महक ने एसजीपीए 7.79 अंकों के साथ बराबर रहकर पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ की मेरिट सूची में 24वां स्थान और कॉलेज में से संयुक्त रूप से पहला स्थान हासिल करके संस्थान का नाम रोशन किया है। उन्होंने बताया कि हरलीन नागरा ने एसजीपीए 7.46 अंक प्राप्त करके कॉलेज में से दूसरा और मनप्रीत कौर ने एसजीपीए 7.21 अंक प्राप्त करके कॉलेज में से तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर प्रिंसिपल सहित कॉमर्स विभाग के समस्त अध्यापकों ने इन छात्राओं को इस उपलब्धि पर मुबारकबाद दी और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

एसएसएम स्कूल कासोआना के 10वीं और 12वीं कक्षा के परिणाम उत्कृष्ट रहे

जीरा 14 मई (अंग्रेज बराड़) - एसएसएम ग्रुप ऑफ स्कूल्स, कसौआना के पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड के कक्षा 10वीं और 12वीं के परिणाम उत्कृष्ट रहे। यह उल्लेखनीय है कि कक्षा 10वीं के 53 छात्रों और कला, वाणिज्य, चिकित्सा और गैर-चिकित्सा के कुल 106 छात्रों ने कक्षा 12वीं की परीक्षा में भाग लिया। इन सभी छात्रों ने अच्छे अंकों के साथ उत्तीर्ण किया। दसवीं कक्षा की परीक्षा में मनवीर कौर ने 95.23%, प्रिया ने 95.23%, पलकप्रीत सिद्धू ने 94.77%, अनुरीत कौर ने 94%, कशिश ने 92.77% और जस नूर कौर ने 90.31% अंक प्राप्त किए। वहीं बारहवीं कक्षा में अर्निवप्रीत कौर ने 94%, जशनप्रीत कौर ने 92.6%, अनमोल शर्मा ने 92.4%, हरप्रीत कौर ने 91.4%, जैस्मिन कौर ने 91.8%, कायनात मेहरोलिया ने 91.8%, हरसिमरत कौर ने 91.4% और राजप्रीत सिंह ने 90% अंक प्राप्त करके विद्यालय का नाम रोशन किया है। इसके अलावा, बारहवीं कक्षा के 29 छात्रों ने 80% से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। इन परिणामों को लेकर विद्यालय के शिक्षकों और छात्रों में खुशी की लहर दौड़ गई है। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष श्री कंवलजीत सिंह गिल और प्रधानाचार्य रविंदर सिंह ने छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को उनके उत्कृष्ट परिणामों के लिए बधाई दी और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

एकनूर चेरिटेबल सोसायटी बोहोडू का सेवादार लापता, पुलिस को दर्ज कराई शिकायत

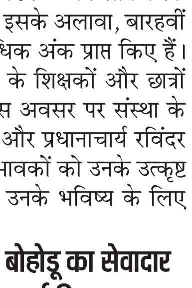

अमृतसर (साहिब दयाल) नजदीक पड़ते अड्डा बोहोडू में संचालित एकनूर चेरिटेबल सोसायटी में करीब 15 साल से सेवादार के तौर पर कार्यरत परमिंदर सिंह पुत्र सुरजीत सिंह गेट नंबर 6 जिला मुक्तसर साहिब बीते मंगलवार दोपहर को सोसायटी का सामान और कुछ पैसे लेकर फरार हो गया। इस बारे में एकनूर चेरिटेबल सोसायटी की संचालिका बीबी मनजीत कौर ने फोन पर जानकारी देते हुए बताया कि समाज सेवी लोगों द्वारा सोसायटी में रहते अनाथ बच्चों के लिए पैसे और कपड़े दान दिए जाते हैं। यहां गायब होने के शक में परमिंदर सिंह से जब संपर्क करने की कोशिश की गई तब उसका फोन बंद मिला। मनजीत कौर की ओर से इस मामले में पुलिस कमिश्नर को लिखत शिकायत दर्ज कराई गई है। निहंग सिंह के बाने में रहते सेवादार के खिलाफ जालसाजी करने और धनराशि में गबन करने की शिकायत दर्ज कराई है। सोसायटी ने उसकी सेवाएं खारिज कर दी हैं। उन्होंने बताया कि दो दिनों से सेवादार से कोई संपर्क नहीं हो पा रहा है। उन्होनो बताया कि पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है।

जालंधर प्रोफेशनल फोटोग्राफर्स एसोसिएशन का हुआ विस्तार, नूरमहल के 30 से अधिक फोटोग्राफर हुए शामिल

» प्रथम न्यूज । जालंधर
14 मई (डोगरा)

जालंधर प्रोफेशनल फोटोग्राफर्स एसोसिएशन का दायरा और मजबूती उस समय और बढ़ गई, जब नूरमहल क्षेत्र के 30 से अधिक फोटोग्राफरों ने एकजुटता दिखाते हुए एसोसिएशन की सदस्यता ग्रहण की। एक विशेष कार्यक्रम के दौरान सभी फोटोग्राफरों ने संगठन के साथ मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर एसोसिएशन के प्रधान राजेश थापा ने नए सदस्यों का हार पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि एसोसिएशन हमेशा फोटोग्राफर समुदाय के हितों के लिए प्रतिबद्ध रही है और हर सदस्य के सुख-दुख में कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में फोटोग्राफी पेशे से जुड़ी समस्याओं का सामूहिक रूप से समाधान किया जाएगा।

कार्यक्रम में दोनों इकाइयों के प्रमुख पदाधिकारी भी मौजूद रहे। इनमें जनरल सेक्रेटरी रमेश गाबा, संरक्षक रमेश हैप्पी, सुरिंदर बेरी, सीनियर उपप्रधान ऋषि शर्मा, उपप्रधान तरलोक चुघ, अवतार चंद, साहिल उंकार, संदीप हैप्पी, उदे कुमार, कमलजीत पवार, बलजीत सिंह बल्लू, सूरज महिंदरू और हरीश कुमार शामिल रहे। वहीं, नूरमहल फोटोग्राफर एसोसिएशन की ओर से प्रधान अजय कुमार बत्रा, जनरल सेक्रेटरी बीरबल, कैशियर जसविंदर कुमार, पीआरओ कमलेश कुमार और चेयरमैन बलवीर राम कलेर विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस मिलनी समारोह ने जिले के फोटोग्राफरों में नया उत्साह भर दिया है। साथ ही भविष्य में फोटोग्राफी पेशे से जुड़े लोगों की एकता को और मजबूत करने का भी फैसला लिया गया।

गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी में सरबत दा भला ट्रस्ट की ओर से प्रयोगशाला एवं रोग जाँच केंद्र स्थापित

डॉ. ओबराय की मौजूदगी में वाइस चांसलर डॉ. करमजीत सिंह तथा डॉ. सरबजिंदर सिंह ने किया उद्घाटन

अमृतसर (साहिब दयाल) - बिना किसी से एक भी पैसा एकत्र किए अपनी जेब से ही करोड़ों रुपये सेवा कार्यों पर खर्च करने वाले दुबई के प्रसिद्ध उद्योगपति तथा सरबत दा भला चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रमुख डॉ. एस.पी. सिंह ओबराय द्वारा आज गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी में श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित खोले गए 'सन्नी ओबराय नैदानिक प्रयोगशाला एवं रोग जाँच केंद्र' का उद्घाटन डॉ. ओबराय की मौजूदगी में जी.एन.डी.यू. के वाइस चांसलर डॉ. करमजीत सिंह तथा सन्नी ओबराय विवेक सदन के वाइस चांसलर डॉ. सरबजिंदर सिंह द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस दौरान ट्रस्टी डॉ. सतनाम सिंह निज्जर, रविंदर रॉबिन तथा पंजाब प्रधान सुखजिंदर सिंह हेर भी उपस्थित थे।

गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी के सहयोग से स्थापित की गई इस प्रयोगशाला के उद्घाटन उपरांत बातचीत करते हुए डॉ.एस.पी. सिंह ओबराय ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा स्थापित की गई अत्यंत कम खर्च वाली इस प्रयोगशाला से यूनिवर्सिटी में अध्ययनरत 15 हजार विद्यार्थियों तथा विभिन्न विभागों में कार्यरत सैकड़ों अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बड़ी सुविधा प्राप्त होगी। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट यूनिवर्सिटी के आसपास रहने वाले आम लोगों की सुविधा के लिए बहुत शीघ्र प्रयोगशाला के दो नमूना संग्रह केंद्र भी खोलेगा। डॉ. ओबराय के अनुसार ट्रस्ट द्वारा 200 प्रयोगशालाएँ स्थापित करने के निर्धारित लक्ष्य के अंतर्गत अब तक पंजाब सहित अन्य राज्यों में 150 से अधिक प्रयोगशालाएँ स्थापित की जा चुकी हैं, जिनमें पिछले वर्ष 27 लाख से अधिक लोगों ने केवल लागत मूल्य पर अपने परीक्षण करवाकर बड़ा लाभ प्राप्त किया है। वाइस चांसलर डॉ. करमजीत सिंह तथा डॉ. सरबजिंदर सिंह ने डॉ. एस.पी. सिंह ओबराय द्वारा पंजाब सहित अन्य राज्यों में किए जा रहे अनुकरणीय सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि प्रत्येक कठिन समय में सबसे पहले आगे आकर उनके द्वारा निभाई जाने वाली निस्वार्थ सेवाएँ तथा विशेष रूप से स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में उनका योगदान बेमिसाल है।

इस अवसर पर रजिस्ट्रार डॉ. के.एस. चाहल, डीन अकादमिक डॉ. हरविंदर सिंह, ट्रस्ट से डॉ. दलजीत सिंह गिल, जिला प्रधान सिसपाल सिंह लाडी, जिला महासचिव मनप्रीत संधू, नवजीत सिंह घई, जगदेव सिंह छीना, मनप्रीत सिंह कंबो, लोक संपर्क निदेशक प्रवीण पुरी, डॉ. हरप्रीत कौर, डॉ. पवन शर्मा, डॉ. किरणदीप कौर, प्रधान नॉन टीचिंग एसोसिएशन हरदीप सिंह नागरा, प्रधान ऑफिसर एसोसिएशन मनप्रीत सिंह, राजिंदर सिंह आदि भी उपस्थित थे।

हेमकुंट स्कूल के छात्र ने 96.4% अंक प्राप्त कर शीर्ष स्थान हासिल किया

» प्रथम न्यूज । जीरा
14 मई (अंग्रेज बराड़)

हेमकुंट स्कूल, जो इस क्षेत्र का एक प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान है, ने सीबीएसई बोर्ड द्वारा मार्च 2026 में घोषित कक्षा 12वीं के परिणामों में शानदार प्रदर्शन करके स्कूल का नाम रोशन किया और पिछले वर्षों की तरह लगातार अच्छे परिणाम बरकरार रखे। हमेशा की तरह, इस वर्ष भी स्कूल के परिणाम उत्कृष्ट रहे और छात्रों ने कड़ी मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों के मार्गदर्शन के कारण उच्च अंक प्राप्त किए।

जश्नदीप कौर (फतेहगढ़ कोरोटाना) 96.4 प्रतिशत, आरव ग्रोवर (फतेहगढ़ पंजतूर) 96प्रतिशत, अमानत सिंह सिद्धू (तलवंडी नो बहार) 94.2प्रतिशत, सोमा रानी (कोट-इसे-खान) 93.2प्रतिशत, महकप्रीत कौर (डाइन के) 92.8प्रतिशत, हरलीन कौर (बंडाला नो बम) 92.6प्रतिशत, रमनप्रीत कौर (लेवल) 92.2प्रतिशत, दीक्षा बावा (तलवंडी नंबर बहार) 91.8प्रतिशत, महकदीप कौर (खन्ना) 91.6प्रतिशत, कोमलप्रीत कौर ढिल्लों (लेवल) 91.2प्रतिशत, गगनप्रीत कौर (फहितपुर झुग्गियां) 90.6प्रतिशत, मन्नत (मक्खू) 90.4प्रतिशत, हरजोत सिंह गुलाटी (कोट-इसे-खान) 89.8प्रतिशत, कोमलप्रीत कौर (भिंडर कलां) 89प्रतिशत, रमनीक सिंह (लोगीविंड) 88.6प्रतिशत, जैस्मीन कौर (वट्टू भट्टी) 88.6प्रतिशत, जसलीन कौर (दातेवाल) 86.8प्रतिशत, रमनदीप कौर (सद्दा सिंह वाला) 86.8प्रतिशत, अवनीत कौर 86.6प्रतिशत, जसप्रीत कौर (अमीवाला) 86.6प्रतिशत, महक शर्मा (कोट-इसे-खान) 86.4प्रतिशत, हरमनवीर कौर (लोहारा) 86.2प्रतिशत, अनुवीर कौर (रतोलबेट) 86प्रतिशत, मनजोत सिंह (धर्मकोट) 85.4प्रतिशत, मनवीर कौर (रंडियाला) 85.2प्रतिशत, अरविंदर कौर (तलवंडी मांगे खां, 85.2प्रतिशत, रिधमप्रीत कौर (कोट-ईसे-खान) 85.2प्रतिशत, एकनूर सिंह (दोलतपुरा उचा) 85प्रतिशत, गुरकीरत सिंह वशिष्ठ (कोट-इसे-खान) ने 85 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। सभी छात्रों ने वर्ष भर शिक्षकों द्वारा किए गए परिश्रम को अच्छे परिणामों का फल बताया। शिक्षकों ने आशा व्यक्त की कि आने वाले वर्षों में वे छात्रों से और भी अधिक मेहनत करवाएंगे, ताकि वे और भी बेहतर अंक प्राप्त कर सकें! छात्रों के अच्छे परिणामों पर संस्थान के अध्यक्ष श्री कुलवंत सिंह संधू, प्रबंध निदेशक मैडम रंजीत कौर संधू, प्रधानाध्यापिका रमनजीत कौर और प्रधानाध्यापिका सोनिया शर्मा ने छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को बधाई दी और कहा कि बच्चों की सफलता उनकी लगन और शिक्षकों के परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने कहा कि विद्यालय हमेशा छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा और बच्चे भविष्य में भी इसी तरह की सफलताएँ प्राप्त करते रहेंगे।

बस स्टैंड के पास खुलेगा नया एचपी पेट्रोल पंप

गुरदासपुर (संदीप सन्नी)- शहर के विकास और जनता की सुविधा को मुख्य रखते हुए, इंप्रूवमेंट ट्रस्ट गुरदासपुर द्वारा एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। इंप्रूवमेंट ट्रस्ट गुरदासपुर के चेयरमैन राजीव शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि ट्रस्ट द्वारा अब स्थानीय बस स्टैंड के बिल्कुल नजदीक हिंदुस्तान पेट्रोलियम का एक नया पेट्रोल पंप स्थापित किया जा रहा है।

चेयरमैन राजीव शर्मा ने बताया कि बस स्टैंड के पास पंप लगने से राहगीरों और स्थानीय निवासियों को तेल भरवाने के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि इस प्रोजेक्ट से इंप्रूवमेंट ट्रस्ट को हर महीने लगभग 7 लाख रुपए की सीधी आय होने का अनुमान है।

इस आय का उपयोग गुरदासपुर के बुनियादी ढांचे (इंफ्रास्ट्रक्चर) और अन्य सार्वजनिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह कदम न केवल ट्रस्ट को आर्थिक रूप से मजबूत करेगा, बल्कि शहर के विकास मॉडल में एक मील का पत्थर साबित होगा। ट्रस्ट के चेयरमैन राजीव शर्मा के अनुसार, इस प्रोजेक्ट पर काम जल्द ही शुरू कर दिया जाएगा ताकि जनता को इसका लाभ मिल सके।

विधायक रंधावा ने गांव रोसा के सरकारी हाई स्कूल में कंप्यूटर और साइंस लैब विद्यार्थियों को समर्पित की

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
14 मई (संदीप सन्नी)

डेरा बाबा नानक के विधायक गुरदीप सिंह रंधावा द्वारा गांव रोसा के सरकारी हाई स्कूल में कंप्यूटर लैब और साइंस लैब विद्यार्थियों को समर्पित की गई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पंजाब भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा शिक्षा क्रांति के तहत स्कूलों में आधुनिक शिक्षा को प्रोत्साहित करते हुए डिजिटल सुविधाओं की शुरुआत की गई है। इससे विद्यार्थियों को नई तकनीक के माध्यम से पढ़ने का सुनहरा अवसर मिलेगा।

उन्होंने कहा कि स्मार्ट क्लासरूम के जरिए पढ़ाई और भी रुचिकर तथा प्रभावशाली बनेगी, जो विद्यार्थियों के भविष्य को नई दिशा प्रदान करेगी।

इस पहल के लिए ग्रामीणों और स्कूल स्टाफ ने खुशी व्यक्त की और पंजाब सरकार तथा विधायक गुरदीप सिंह रंधावा का तहे दिल से धन्यवाद किया। विधायक रंधावा ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार के कार्यकाल में सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर ऊंचा हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि हुई है।

उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने पहले दिन से ही शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए सरकारी स्कूलों का कायाकल्प किया है। पंजाब सरकार द्वारा जहाँ सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा रहा है, वहीं विद्यार्थियों को डिजिटल तकनीक के साथ समय के अनुरूप आधुनिक शिक्षा प्रदान की जा रही है।

बार-बार पेपर लीक होने के कारण शिक्षा व्यवस्था में भ्रष्टाचार फैल गया है : पीएसएफ

» प्रथम न्यूज । जालंधर
14 मई (कुलदीप सिंह)

हाल ही में हुई NEET परीक्षा में सामने आई अनियमितताओं और प्रश्नपत्र लीक की घटनाओं ने देशभर के छात्र समुदाय में आक्रोश की लहर पैदा कर दी है। इस गंभीर मुद्दे पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए पंजाब स्टूडेंट्स फेडरेशन (PSF) ने एक बयान जारी कर केंद्र सरकार और राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (NTA) की नकारात्मकता की कड़ी निंदा की है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रवि लोहगढ़ और प्रदेश महासचिव गगनदीप ने विरोध जताते हुए कहा कि यह सिर्फ प्रशासनिक त्रुटि नहीं, बल्कि लाखों मेहनती छात्रों के सपनों का संहार है। उन्होंने कहा कि छात्र और उनके माता-पिता वर्षों की मेहनत और बचत लगाकर इस परीक्षा की तैयारी करते हैं, लेकिन राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की विफलता ने उनके भविष्य को अंधकार में धकेल दिया है। रवि और गगनदीप ने सीधे तौर पर आरोप लगाया कि भारत सरकार इतनी महत्वपूर्ण परीक्षाओं की गरिमा बनाए रखने में पूरी तरह विफल रही है। नेताओं ने परीक्षा प्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि बार-बार हो रहे प्रश्नपत्र लीक शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त भ्रष्टाचार को दर्शाते हैं। उन्होंने मांग की कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्च स्तरीय जांच की जाए ताकि इसके पीछे असली दोषियों को बेनकाब किया जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि छात्रों को मानसिक और शैक्षणिक रूप से हुई क्षति असहनीय है। पंजाब स्टूडेंट्स फेडरेशन ने घोषणा की है कि अगर सरकार जल्द ही छात्रों को न्याय नहीं दिलाती और परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता नहीं लाती, तो संगठन राज्य स्तरीय विरोध प्रदर्शन करेगा। पीएसएफ ने सभी छात्रों और न्यायप्रिय लोगों से इस लड़ाई में एकजुट होने का आह्वान किया है।

डिप्टी कमिश्नर ने जिला ट्रेडर्स कमीशन की समस्याओं के निपटारे हेतु अधिकारियों के साथ की बैठक

-व्यापारियों की मुश्किलों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करें अधिकारी : डीसी

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
14 मई (संदीप सन्नी)

जिला गुरदासपुर के व्यापारियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए डिप्टी कमिश्नर आदित्य उप्पल ने जिला प्रशासकीय परिसर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ एक विशेष बैठक की।

बैठक के दौरान उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि ट्रेडर्स कमीशन द्वारा उठाई गई शिकायतों और मुश्किलों का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। इस अवसर पर जिला ट्रेडर्स कमीशन के चेयरमैन सिमरजीत सिंह, सिविल व पुलिस प्रशासन के उच्चाधिकारी और विभिन्न क्षेत्रों के ट्रेडर्स कमीशन के चेयरमैन उपस्थित थे।

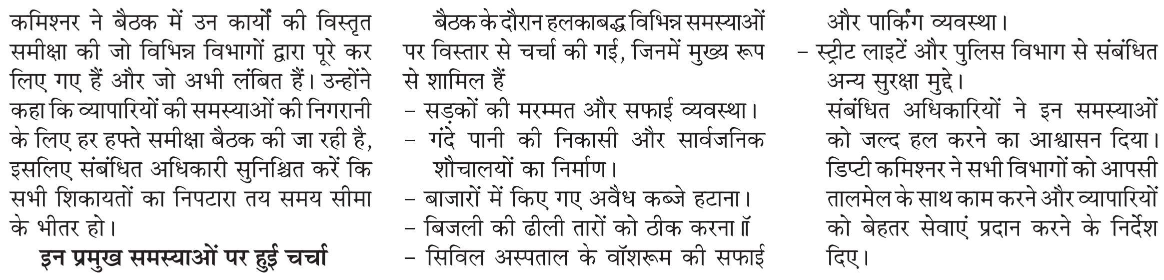

समयबद्ध समाधान पर जोर : डिप्टी कमिशनर ने बैठक में उन कार्यों की विस्तृत समीक्षा की जो विभिन्न विभागों द्वारा पूरे कर लिए गए हैं और जो अभी लंबित हैं। उन्होंने कहा कि व्यापारियों की समस्याओं की निगरानी के लिए हर हफ्ते समीक्षा बैठक की जा रही है, इसलिए संबंधित अधिकारी सुनिश्चित करें कि सभी शिकायतों का निपटारा तय समय सीमा के भीतर हो।

इन प्रमुख समस्याओं पर हुई चर्चा

बैठक के दौरान हलकाबद्ध विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई, जिनमें मुख्य रूप से शामिल हैं

- सड़कों की मरम्मत और सफाई व्यवस्था।
- गंदे पानी की निकासी और सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण।
- बाजारों में किए गए अवैध कब्जे हटाना।
- बिजली की ढीली तारों को ठीक करना।
- सिविल अस्पताल के वॉशरूम की सफाई और पार्किंग व्यवस्था।
- स्ट्रीट लाइटें और पुलिस विभाग से संबंधित अन्य सुरक्षा मुद्दे।

संबंधित अधिकारियों ने इन समस्याओं को जल्द हल करने का आश्वासन दिया। डिप्टी कमिश्नर ने सभी विभागों को आपसी तालमेल के साथ काम करने और व्यापारियों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के निर्देश दिए।

डिजिटल पोर्टल के जरिए निगरानी

जिला ट्रेडर्स कमीशन के चेयरमैन सिमरजीत सिंह ने बताया कि व्यापारियों की शिकायतों के निपटारे के लिए सरकार के पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायतें दर्ज की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा शिकायतों के समाधान की निरंतर निगरानी की जा रही है, ताकि व्यापारियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

बैठक में उपस्थित गणमान्य

इस मौके पर सहायक कमिश्नर (जनरल) कुलदीप चंद, एसडीएम गुरदासपुर अनुप्रीत कौर, एसडीएम डेरा बाबा नानक आदित्य शर्मा, एसडीएम बटाला सारंगप्रीत सिंह, एसडीएम फतेहगढ़ चूड़ियां नवजोत शर्मा, एसडीएम दीनानगर रविंद्र सिंह और विभिन्न हल्कों के चेयरमैन उपस्थित थे।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

मंडी-पठानकोट हाईवे पर दर्दनाक हादसा, 17 वर्षीय छात्रा की मौत

एहजू के पास टेम्पो की टक्कर से 11वीं की छात्रा ने तोड़ा दम

मंडी (नरेंद्र भारती)– मंडी–पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग पर जोगेंद्रनगर उपमंडल के एहजू के पास गुरुवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में 17 वर्षीय छात्रा की मौके पर ही मौत हो गई। मृतका की पहचान अनु पुत्री पुन्नू राम, निवासी बैजनाथ के रूप में हुई है। वह एहजू स्थित विद्यालय में 11वीं कक्षा की छात्रा थी और रोजाना की तरह स्कूल जा रही थी।

जानकारी के अनुसार, सुबह के समय जब छात्रा सड़क पार कर रही थी या किनारे से गुजर रही थी, तभी तेज रफ्तार टेम्पो ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वह गंभीर रूप से घायल हो गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी गई।

पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और टेम्पो चालक की भूमिका की भी जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों ने सड़क पर तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण की मांग की है।

शिमला पुलिस की बड़ी कार्रवाई, सुन्नी में 18 ग्राम चिट्टे सहित दो गिरफ्तार

शिमला (ब्यूरो)– जिला शिमला में नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस थाना सुन्नी की टीम को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान एक

नशा तस्करों पर शिकंजा, मंडी और हमीरपुर के आरोपी दबोचे

कार से करीब 18 ग्राम चिट्टा/हेरोइन बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सुन्नी थाना की टीम घराट नाला क्षेत्र में नियमित वाहन जांच और नाकाबंदी कर रही थी। इसी दौरान शिमला की ओर से आ रही एक संदिग्ध कार को जांच के लिए रोका गया। वाहन में सवार लोगों की गतिविधियां संदिग्ध लगने पर पुलिस ने स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में तलाशी ली। तलाशी के दौरान कार से करीब 18 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान महेश कुमार (28) पुत्र बालाराम निवासी गांव खमारला, डाकघर भांतल, तहसील करसोग जिला मंडी तथा मनोरमा देवी (34) पत्नी पुरुषोत्तम राम निवासी गांव झमयाट, डाकघर जिनझड़ी, तहसील एवं थाना भोरंज जिला हमीरपुर के रूप में हुई है।

पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ पुलिस थाना सुन्नी में अभियोग संख्या 19/2026 के तहत धारा 21 और 29 एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शिमला पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में नशा तस्करी के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। युवाओं को नशे के जाल में फंसाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा।

सोलन में महिला सहित दो चिट्टे समेत गिरफ्तार, पुलिस ने कार भी की जब्त

एसआईयू टीम की बड़ी कार्रवाई, 12.43 ग्राम हेरोइन के साथ युवक-युवती दबोचे

सोलन (ब्यूरो)– जिला सोलन पुलिस की एसआईयू टीम ने नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक और युवती को 12.43 ग्राम चिट्टा/हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई 10/11 मई 2026 की रात गुप्त सूचना के आधार पर की गई।

पुलिस के अनुसार परवाणू–धर्मपुर की ओर से सोलन आ रही एक टाटा टियागो कार को शमलेच के समीप नाकाबंदी कर रोका गया। तलाशी के दौरान वाहन में सवार युवक और युवती के कब्जे से 12.43 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। आरोपियों की पहचान रवि कुमार (45) निवासी रबोन, जिला सोलन तथा साक्षी शर्मा (24) निवासी सिधोटी, तहसील शिलाई, जिला सिरमौर के रूप में हुई है।

पुलिस ने मौके पर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ थाना सदर सोलन में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 और 29 के तहत मामला दर्ज किया। मामले में प्रयुक्त वाहन को भी जब्त कर लिया गया है। दोनों आरोपियों को 11 मई को अदालत में पेश किया गया, जहां से पुलिस रिमांड हासिल कर उनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस दोनों के आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच कर रही है।

अधिवक्ता ने नाबार्ड को भेजी भ्रष्टाचार की शिकायत

जोगिंद्रा सहकारी बैंक में वित्तीय अनियमितताओं के आरोप, एमडी समेत कई अधिकारियों पर सवाल

आरटीआई में सूचना रोकने से बढ़ा विवाद, अधिवक्ता ने मांगी उच्च स्तरीय सतर्कता जांच

» प्रथम न्यूज । सोलन/शिमला
14 मई (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश के सहकारी बैंकिंग तंत्र में कथित भ्रष्टाचार और प्रशासनिक मिलीभगत को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय, चंडीगढ़ के अधिवक्ता मुकेश कुमार शर्मा ने राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के मुख्य सतर्कता अधिकारी को विस्तृत शिकायत भेजकर जोगिंद्रा सेंट्रल कॉपरेटिव बैंक, सोलन के प्रबंध निदेशक पंकज सूद, रजिस्ट्रार सहकारी सभाएं, हिमाचल प्रदेश तथा बैंक के कई वरिष्ठ अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

13 मई 2026 को भेजी गई शिकायत में आरोप लगाया गया है कि बैंक के प्रबंध निदेशक पंकज सूद ने यात्रा भत्ता एवं दैनिक भत्ता सहित अन्य मदों में ?1,43,858 की राशि प्राप्त की, जबकि इसके लिए निदेशक मंडल, रजिस्ट्रार सहकारी सभाएं अथवा किसी सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति उपलब्ध नहीं थी। शिकायत के अनुसार इस भुगतान को बैंक के महाप्रबंधक कुलदीप सिंह द्वारा अनुमोदित किया गया, जिनके खिलाफ पहले से ही राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, सोलन में प्राथमिकी दर्ज है और मामला जांचाधीन है।

अधिवक्ता मुकेश कुमार शर्मा ने आरोप लगाया कि पूरे मामले को दबाने के लिए बैंक प्रबंधन और रजिस्ट्रार सहकारी सभाएं, शिमला के कार्यालय के बीच सांठगांठ रही। उन्होंने बताया कि 17 नवंबर 2025 को सूचना अधिकार अधिनियम के तहत आवेदन देकर यात्रा भत्ता बिल, स्वीकृतियां, नियुक्ति आदेश और अन्य दस्तावेजों की प्रतियां मांगी गई थीं, लेकिन 18 दिसंबर 2025 को सूचना देने से इनकार कर दिया गया। शिकायत में कहा गया है कि सार्वजनिक धन से जुड़े अभिलेखों को व्यक्तिगत सूचना बताकर छिपाना भ्रष्टाचार को संरक्षण देने का प्रयास है।

शिकायत में बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक एवं जन सूचना अधिकारी गुरमीत सिंह पर भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। अधिवक्ता का दावा है कि बैंक में करोड़ों रुपये के घोटालों और अभिलेखों को दबाने के मामलों में उनकी भूमिका को लेकर पहले से शिकायतें लंबित हैं।

इसके अलावा शिकायत में यह भी कहा गया है कि बैंक के वाहनों और अन्य सुविधाओं का निजी उपयोग किया जा रहा है तथा सार्वजनिक धन का दुरुपयोग हो रहा है। अधिवक्ता ने नाबार्ड से पूरे मामले की उच्च स्तरीय सतर्कता जांच करवाने, दोषी अधिकारियों पर विभागीय एवं आपराधिक कार्रवाई करने तथा अनधिकृत भुगतान की वसूली सुनिश्चित करने की मांग की है।

शिकायत की प्रतियां राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह एवं वित्त मंत्रालय, मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, राज्य सतर्कता ब्यूरो, भारतीय रिजर्व बैंक और अन्य संस्थाओं को भी भेजी गई हैं।

शिकायत में चेतावनी दी गई है कि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो बैंक भविष्य में बड़े वित्तीय संकट का सामना कर सकता है।

सैकर्ड हार्ट कॉन्वेंट स्कूल ढली का सीबीएसई 12वीं में शानदार प्रदर्शन, सावी सेक्टू बनी टॉपर

99% अंक लेकर सावी सेक्टू अव्वल, कई छात्रों ने हासिल किए 90+ अंक

शिमला (ब्यूरो)– शिमला के सैकर्ड हार्ट कॉन्वेंट स्कूल, ढली ने सीबीएसई कक्षा 12वीं के परीक्षा परिणामों में इस वर्ष शानदार प्रदर्शन किया है। विद्यालय की छात्रा सावी सेक्टू ने 99 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया है और स्कूल की टॉपर बनी हैं। वहीं भव्यता राग्रा ने 96.2 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरा स्थान तथा किंजल शर्मा ने 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान हासिल किया।

इसके अलावा अन्य मेधावी विद्यार्थियों ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। भूमि मेहता ने 94.2 प्रतिशत अंक लेकर चौथा स्थान, अभिनव जैन ने 93.8 प्रतिशत, सक्षम चौहान ने 93.2 प्रतिशत, हिमांशु वर्मा ने 92.8 प्रतिशत, सतुति चंदेल ने 92 प्रतिशत, वामिका मोक्टा ने 91.8 प्रतिशत, अमौली परहाते ने 91 प्रतिशत, ध्रुव मेहता ने 90.6 प्रतिशत तथा पलक महाजन ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर क्रमशः स्थान प्राप्त किए।

विद्यालय के लिए गर्व की बात यह रही कि चार विद्यार्थियों ने अपने–अपने विषयों में शत–प्रतिशत अंक हासिल किए। इनमें रणवीर सिंह और अलीना कांता ने मनोविज्ञान, भूमि मेहता ने राजनीति विज्ञान तथा सावी सेक्टू ने शारीरिक शिक्षा में 100 में से 100 अंक प्राप्त किए।

विद्यालय प्रबंधन, प्रधानाचार्य और समस्त स्टाफ ने सभी विद्यार्थियों को इस उपलब्धि पर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अभिभावकों के सहयोग की भी सराहना की गई।

प्रधानमंत्री मोदी की राष्ट्रहित अपील पर देश एकजुट, विपक्ष फैला रहा भ्रम : हर्ष महाजन

» प्रथम न्यूज । शिमला
14 मई (एएम नाथ)

भाजपा के राज्यसभा सांसद हर्ष महाजन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से की गई राष्ट्रहित की अपील का समर्थन करते हुए कहा कि 140 करोड़ भारतीय प्रधानमंत्री के साथ मजबूती से खड़े हैं और देशहित में हर आवश्यक सहयोग देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की अपील पूरी तरह एहतियाती, स्वैच्छिक और दूरदर्शी सोच पर आधारित है तथा देश में किसी भी आवश्यक वस्तु की कोई कमी नहीं है।

हर्ष महाजन ने कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और समाजवादी पार्टी सहित विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि एक ओर प्रधानमंत्री जिम्मेदारीपूर्वक देशवासियों से सहयोग की अपील कर रहे हैं, वहीं विपक्ष भ्रम और डर फैलाने की राजनीति में जुटा हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष सोशल मीडिया के माध्यम से गैस सिलेंडर, खाद्य सामग्री और आवश्यक वस्तुओं की कमी को लेकर झूठे संदेश प्रसारित कर जनता में पैनिक पैदा करना चाहता है। उन्होंने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब किसी प्रधानमंत्री ने संकट के समय जनता से सहयोग की अपील की हो। पूर्व प्रधानमंत्रियों लाल बहादुर शास्त्री, जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी ने भी कठिन परिस्थितियों में देशवासियों से इसी प्रकार संयम और सहयोग का आह्वान किया था। उस समय कांग्रेस इसे जिम्मेदार नेतृत्व मानती थी, लेकिन आज वही कांग्रेस प्रधानमंत्री मोदी की अपील पर राजनीति कर रही है।

महाजन ने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में भारत की अर्थव्यवस्था फ्रेजाइल फाइव देशों में गिनी जाती थी, जबकि आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है। उन्होंने कहा कि भारत का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 700 बिलियन डॉलर के आसपास है और सरकार ने संकट के समय भी पेट्रोल–डीजल की कीमतों को स्थिर रखा है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने एक्साइज ड्यूटी में कटौती कर जनता को राहत दी, जबकि कई विकसित देशों में ईंधन की कीमतों में भारी वृद्धि हुई। भाजपा सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा सार्वजनिक परिवहन के उपयोग, वर्क फ्रॉम होम, स्वदेशी उत्पाद अपनाने और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की अपील राष्ट्रहित में है। उन्होंने विपक्ष से राष्ट्रीय मुद्दों पर राजनीति बंद कर देशहित में सहयोग करने की अपील की।

सम्मान मिला, लेकिन आवास नहीं; तीन महीने बाद भी सरकारी घर का इंतजार

एसएसपी शिमला गौरव सिंह को अब तक नहीं मिला सरकारी आवास, व्यवस्था पर सवाल

» प्रथम न्यूज । शिमला
14 मई (एएम नाथ)

नशे के खिलाफ सख्त अभियान चलाकर सराहना बटोरने वाले शिमला के एसएसपी गौरव सिंह को अब तक सरकारी आवास नहीं मिल पाया है। हैरानी की बात यह है कि जिन पुलिस अधिकारी को बेहतरीन कार्य के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री स्वयं सम्मानित कर चुके हैं, वही अधिकारी पिछले तीन महीनों से सरकारी आवास की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

गौरव सिंह को 9 फरवरी 2026 को एसएसपी शिमला के पद पर नियुक्त किया गया था।

इसके बाद से उन्होंने जिले में नशा तस्करी के खिलाफ लगातार कार्रवाई करते हुए कई बड़े मामलों का खुलासा किया। उनके नेतृत्व में पुलिस ने चिट्टा तस्करों और संगठित नेटवर्क पर शिकंजा कसने में अहम सफलता हासिल की है। इसके बावजूद अब तक उन्हें सरकारी आवास उपलब्ध नहीं कराया जा सका है, जिससे प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। पुलिस विभाग और प्रशासन की कार्यप्रणाली को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं।

लोगों का कहना है कि जो अधिकारी बेहतर काम कर रहे हैं, उन्हें सुविधाएं और संसाधन समय पर उपलब्ध करवाए जाने चाहिए ताकि वे और अधिक प्रभावी ढंग से अपनी जिम्मेदारियां निभा सकें। वहीं यह मामला सरकारी व्यवस्थाओं में देरी और समन्वय की कमी को भी उजागर कर रहा है।

सोलन में पानी, कचरा और टैक्स व्यवस्था पर भाजपा का हमला, कांग्रेस पर वादाखिलाफी के आरोप

» प्रथम न्यूज । सोलन
14 मई (ब्यूरो)

भाजपा वरिष्ठ नेता राजेश कश्यप और मंडल अध्यक्ष शैलेन्द्र गुप्ता ने कांग्रेस सरकार और सोलन नगर निगम पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि शहर में जल संकट, कचरा प्रबंधन की विफलता, बढ़ते टैक्स और अधूरे विकास कार्यों ने जनता को परेशान कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने 2021 के घोषणा पत्र में किए गए अधिकांश वादों को पूरा नहीं किया। राजेश कश्यप ने कहा कि सोलन के कई क्षेत्रों में लोगों को 7–8 दिन में केवल एक बार पानी मिल रहा है, जबकि पाइपलाइन लीकेज से करीब 40 प्रतिशत पानी बर्बाद हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पानी के दाम 27.71 से बढ़ाकर 100 प्रति किलोलीटर कर दिए गए, जिससे नगर निगम पर लगभग 125 करोड़ का बोझ पड़ा।

शैलेन्द्र गुप्ता ने कहा कि सलोगड़ा डंपिंग साइट पर पड़े 48 हजार टन पुराने कचरे का निपटान अब तक नहीं हो पाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद कचरा और सीवरेज व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ। भाजपा नेताओं ने कहा कि संपत्ति कर में भारी वृद्धि से ग्रामीण क्षेत्रों के लोग सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि पार्किंग, ट्रैफिक सुधार, ओपन जिम, पार्क, सीसीटीवी और महिलाओं की सुरक्षा जैसे वादे अधूरे पड़े हैं। भाजपा ने चेस्टर हिल्स परियोजना, मतदाता सूची और भूमि मामलों में भी कांग्रेस सरकार पर गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगाए। नेताओं ने दावा किया कि नगर निगम चुनावों में जनता कांग्रेस को जवाब देगी।

नगर परिषद निर्वाचन-2026 के सफल संचालन में नियुक्त अधिकारियों व कर्मचारियों की सहभागिता महत्वपूर्ण : नरेन्द्र आहलूवालिया

12 महिला पोलिंग पार्टियों की तीसरी रिहर्सल आयोजित

» प्रथम न्यूज । नालागढ़
14 मई (गुरजीत सिंह)

निर्वाचन अधिकारी एवं उपमण्डलाधिकारी नालागढ़ नरेंद्र आहलूवालिया ने कहा कि नगर परिषद नालागढ़ के आगामी निर्वाचन को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न करवाने के उद्देश्य से वीरवार को खंड विकास अधिकारी कार्यालय नालागढ़ में 12 महिला पोलिंग पार्टियों की तीसरी रिहर्सल आयोजित की गई।

नरेन्द्र आहलूवालिया ने कहा कि नगर परिषद निर्वाचन–2026 के सफल संचालन के लिए महिला मतदान कर्मियों को निर्वाचन प्रक्रिया के प्रत्येक चरण की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में ई.वी.एम. मशीनों के संचालन, मतदाता सत्यापन, मॉक पोल, मतदान सामग्री के रखरखाव, मतदान केंद्रों की व्यवस्था, मतदान उपरांत सीलिंग प्रक्रिया तथा निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा–निर्देशों के अनुरूप कार्य निष्पादन के संबंध में विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण दिया गया।

निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि सभी महिला पोलिंग पार्टियों से ई.वी.एम. मशीनों पर मॉक रिहर्सल भी करवाई गई, ताकि मतदान दिवस पर किसी प्रकार की तकनीकी अथवा प्रक्रियात्मक कठिनाई उत्पन्न न हो तथा मतदान प्रक्रिया समयबद्ध एवं सुचारू रूप से संचालित की जा सके।

मतदान कर्मियों को मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार बनाए रखने, वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांग मतदाताओं को आवश्यक सहयोग प्रदान करने तथा निर्वाचन प्रक्रिया की गोपनीयता एवं पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए।

नरेंद्र आहलूवालिया ने कहा कि राज्य चुनाव आयोग के दिशा–निर्देशों के अनुरूप प्रशासन द्वारा निर्वाचन संबंधी सभी आवश्यक तैयारियां करवाई जा रही है। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन करवाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा इसके लिए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जिम्मेदारी एवं समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करना होगा।

उन्होंने कहा कि महिला पोलिंग पार्टियां पूरी प्रतिबद्धता एवं दक्षता के साथ निर्वाचन प्रक्रिया को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने संतोष व्यक्त किया कि प्रशिक्षित महिला मतदान कर्मियों के सहयोग से नगर परिषद नालागढ़ चुनाव पारदर्शी, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न करवाया जाएगा।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि पोलिंग पार्टियों के ठहरने, परिवहन, सुरक्षा व्यवस्था, मूवमेंट प्लान तथा मतदान सामग्री एवं ई.वी.एम. मशीनों को निर्धारित समयावधि में संबंधित मतदान केंद्रों तक पहुंचाने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सभी पोलिंग पार्टियां समय पर अपने–अपने मतदान स्थलों पर पहुंचें, ताकि मतदान प्रक्रिया निर्धारित समयानुसार आरंभ हो सके और मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

नरेन्द्र आहलूवालिया ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान राज्य चुनाव आयोग द्वारा जारी सभी दिशा–निर्देशों एवं आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए तथा मतदान प्रक्रिया को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित बनाए रखने के लिए आवश्यक समन्वय बनाए रखा जाए। इस अवसर पर निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

ज़िला दंडाधिकारी मुकेश रेपसवाल ने नगर निकाय चुनावों को लेकर जारी किए आदेश

» प्रथम न्यूज । चंबा
14 मई (एएम नाथ)

ज़िला दंडाधिकारी मुकेश रेपसवाल ने नगर परिषद चंबा, नगर परिषद डलहौजी तथा नगर पंचायत चुवाड़ी में 17 मई 2026 को होने वाले नगर निकाय चुनावों के दृष्टिगत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के अंतर्गत आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश हिमाचल प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1994 के प्रावधानों के साथ पठित हैं ।

जारी आदेश में कहा गया है कि स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न करवाने के लिए प्रभावी कानून एवं व्यवस्था तथा सार्वजनिक शांति एवं सौहार्द के लिए अनुकूल वातावरण बनाए रखना आवश्यक है। निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आवश्यक प्रतिबंधात्मक उपाय लागू किए गए हैं। ज़िला दंडाधिकारी द्वारा जारी आदेश के अनुसार मतदान समाप्ति से 48 घंटे पूर्व अर्थात 15 मई 2026 को अपराह्न 3 बजे से लेकर 17 मई 2026 को मतदान प्रक्रिया समाप्त होने तक संबंधित क्षेत्रों में किसी भी प्रकार के चुनाव प्रचार, सार्वजनिक सभा, जुलूस, मनोरंजन कार्यक्रम अथवा मतदाताओं को प्रभावित करने वाली गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

आदेशों में मतदान दिवस पर किसी भी मतदान केंद्र के 100 मीटर के दायरे में प्रचार–प्रसार, मत मांगने अथवा चुनाव संबंधी गतिविधियों के संचालन पर भी रोक लगाई गई है। इसके अतिरिक्त मतदान केंद्रों के आसपास लाउडस्पीकर, मेगाफोन अथवा नारेबाजी जैसी गतिविधियों को भी प्रतिबंधित किया गया है। मतदान दिवस के दौरान विधि द्वारा अधिकृत व्यक्तियों को छोड़कर किसी भी व्यक्ति को मतदान केंद्र अथवा उसके आसपास हथियार लेकर जाने की अनुमति नहीं होगी। निर्देश के उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। जारी आदेश में यह भी कहा गया है कि 15 मई 2026 को अपराह्न 3 बजे से 17 मई 2026 तक मतदान तथा परिणाम घोषित होने तक होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट, शराब के ठेके अथवा किसी भी सार्वजनिक एवं निजी स्थान पर शराब, नशीला पेय या इसी प्रकार की अन्य नशीले मादक पदार्थों की बिक्री, वितरण एवं परोसने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। जारी आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि निर्देशों की अवहेलना करने वालों के विरुद्ध हिमाचल प्रदेश नगरपालिका अधिनियम 1994 तथा भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अंतर्गत कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

संक्षिप्त न्यूज

चंडीगढ़ की बेटी ईशवीन कौर ने बढ़ाया शहर का मान

चंडीगढ़ (पुनीत महाजन) – चंडीगढ़ के सेक्टर–29 स्थित केंद्रीय विद्यालय OCF की छात्रा ईशवीन कौर ने 10+2 कॉमर्स में 90% अंक प्राप्त कर स्कूल में तीसरा स्थान हासिल किया है। ईशवीन पढ़ाई के साथ–साथ खेलों में भी लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। उन्होंने मात्र 7 वर्ष की उम्र से बैडमिंटन खेलना शुरू किया और वर्ष 2025–26 में राज्य व क्षेत्रीय बैडमिंटन प्रतियोगिताओं में गोल्ड मेडल जीतकर स्कूल व परिवार का नाम रोशन किया। इसके अलावा ईशवीन लगातार 3 वर्षों तक स्त्रस्त्रङ्क नेशनल गेम्स में भाग लेकर केवी संगठन का राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। वह 10वीं तक NCC स्काउट से भी जुड़ी रहीं तथा पिछले दो वर्षों से स्कूल की सीनियर विंग की हेड गर्ल की जिम्मेदारी निभा रही हैं।

ईशवीन के पिता हरविंदर पाल सिंह चंडीगढ़ प्रशासन में सीनियर असिस्टेंट के पद पर कार्यरत हैं, जबकि उनकी माता हरमिंदर कौर गृहिणी हैं। परिवार और स्कूल में खुशी का माहौल है तथा सभी ने ईशवीन को उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

इस्माईलाबाद शहीद बलबीर सिंह विद्यालय में विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति किया प्रेरित

इस्माईलाबाद (सुनील कोमल) स्किल काउंसिल फॉर ग्रीन जॉब्स द्वारा टीयूवी राइनलैंड इंडिया की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के अंतर्गत 13 व 14 मई 2026 को इस्माईलाबाद में आयोजित दो दिवसीय विद्यार्थियों के लिए जलवायु परिवर्तन जागरूकता कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

इस पहल के तहत शहीद बलबीर सिंह राजकीय आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, इस्माईलाबाद में जागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सतत विकास, जलवायु संरक्षण तथा हरित रोजगार अवसरों से संबंधित विशेषज्ञों द्वारा संचालित संवादात्मक सत्रों में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के पहले दिन रिसोर्स पर्सन रोहित ने विद्यार्थियों को जलवायु विज्ञान की मूलभूत जानकारी, नवीकरणीय ऊर्जा तकनीकों तथा परिपत्र अर्थव्यवस्था के सिद्धांतों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वहीं दूसरे दिन के सत्रों में व्यक्तिगत कार्बन उत्सर्जन, कचरा प्रबंधन एवं पृथक्करण, जल संरक्षण एवं सुरक्षा तथा स्थानीय स्तर पर जन–जागरूकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की उत्साहपूर्ण सहभागिता देखने को मिली, जो मिशन लाइफ तथा सतत विकास के प्रति बढ़ती पर्यावरणीय जागरूकता को दर्शाती है। व्यावहारिक चर्चाओं एवं रोचक शिक्षण गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को हरित कौशल आधारित उभरते रोजगार अवसरों तथा सतत भविष्य निर्माण के महत्व की उपयोगी जानकारी प्राप्त हुई। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य भीम सेन तथा संकाय सदस्य राजविंदर कौर सांगवान ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी एवं जागरूकता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्किल काउंसिल फॉर ग्रीन जॉब्स तथा टीयूवी राइनलैंड इंडिया ने युवाओं को भविष्य के लिए तैयार ज्ञान एवं कौशल से सशक्त बनाने तथा जलवायु साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई, ताकि हरित, जलवायु–सुरक्षित एवं सतत भारत के निर्माण में योगदान दिया जा सके।

नशा तस्करी मामले में बड़ी सफलता, 15 ग्राम हेरोइन/स्मैक सहित आरोपी मनोज गिरफ्तार

चंडीगढ़ (पुनीत महाजन)– चंडीगढ़ आज 14 मई आरोपी मनोज ड्रग क्वीन बाला का बेटा, बाला पहले से बुरैल जेल में न्यायिक हिरासत में बंद

चंडीगढ़ पुलिस द्वारा असामाजिक तत्वों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना सेक्टर–39 पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के मामले में आरोपी मनोज उर्फ मनोजी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 15 ग्राम हेरोइन/स्मैक बरामद की है।

यह कार्रवाई आईपीएस कंवरदीप कौर, W/SSP/UT चंडीगढ़ के निर्देशानुसार, के.एम. प्रियंका, W/SP/City चंडीगढ़ के मार्गदर्शन तथा धीरज कुमार, SDPO/South West की निगरानी में थाना सेक्टर–39 की टीम द्वारा की गई। टीम का नेतृत्व इंस्पेक्टर राजीव कुमार, SHO थाना सेक्टर–39 ने किया। पुलिस के अनुसार आरोपी मनोज पुत्र स्वर्गीय गुरदायल निवासी मकान नंबर 606, ग्राउंड फ्लोर, सेक्टर–38, चंडीगढ़, उम्र 35 वर्ष को केस एफआईआर नंबर 77 दिनांक 13.05.2026 धारा 21 एनडीपीएस एक्ट थाना सेक्टर–39, चंडीगढ़ में गिरफ्तार किया गया। जानकारी के अनुसार SI रविंदर सिंह 1489/CHG थाना–39 अपनी पुलिस पार्टी के साथ गश्त पर मौजूद थे। इसी दौरान सेक्टर–38 स्थित शांशी मोहल्ला स्टेपिंग स्टोन स्कूल के पास पार्क क्षेत्र में एक व्यक्ति को काबू किया गया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से बिना किसी लाइसेंस या परमिट के 15 ग्राम हेरोइन/स्मैक बरामद हुई। आरोपी की पहचान मनोज उर्फ मनोजी के रूप में हुई। जांच के दौरान आरोपी को 13 मई 2026 को विधिवत गिरफ्तार किया गया। आरोपी मनोज ड्रग क्वीन बाला का बेटा है। बाला वर्तमान में मॉडल जेल बुरैल, चंडीगढ़ में न्यायिक हिरासत में बंद है।

निकाय चुनावों में भाजपा की ऐतिहासिक जीत विकास और सुशासन की राजनीति पर जनता की मुहर : नायब सिंह सैनी

हरियाणा की जनता ने ट्रिपल इंजन सरकार को चुना, विकास मॉडल पर जताया भरोसा, निकाय चुनावों में कांग्रेस की नकारात्मक राजनीति को जनता ने नकारा : नायब सिंह सैनी

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
14 मई (मुकेश डोलिया)

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक और एकतरफा जीत इस बात का स्पष्ट संकेत है कि हरियाणा की जनता ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास, सुशासन, पारदर्शिता और राष्ट्रवाद की राजनीति को खुले दिल से स्वीकार किया है। उन्होंने इस ऐतिहासिक विजय के लिए प्रदेशवासियों का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री गुरुवार को पंचकूला में आयोजित नगर निकायों के नव–निर्वाचित मेयर, चेयरमैन एवं पार्षदों के सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने भाजपा के समर्पित कार्यकर्ताओं का भी धन्यवाद किया, जिन्होंने भीषण गर्मी के बावजूद सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को घर–घर तक पहुंचाने का कार्य किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की जनता ने निकाय चुनावों में कांग्रेस की परिवारवाद, झूठ, भ्रम और नकारात्मक राजनीति को पूरी तरह नकारते हुए भाजपा के विकास मॉडल पर अपनी मुहर लगाई है।

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर तीखा प्रहार कर हुए कहा कि निकाय चुनावों में जनता ने स्पष्ट संदेश दिया है कि उन्हें केवल बयानबाजी नहीं, बल्कि परिणाम चाहिए; केवल वादे नहीं, बल्कि काम चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेशवासियों ने विकास को ध्यान में रखते हुए नगर निकायों में ट्रिपल इंजन सरकार बनाने का कार्य किया है।

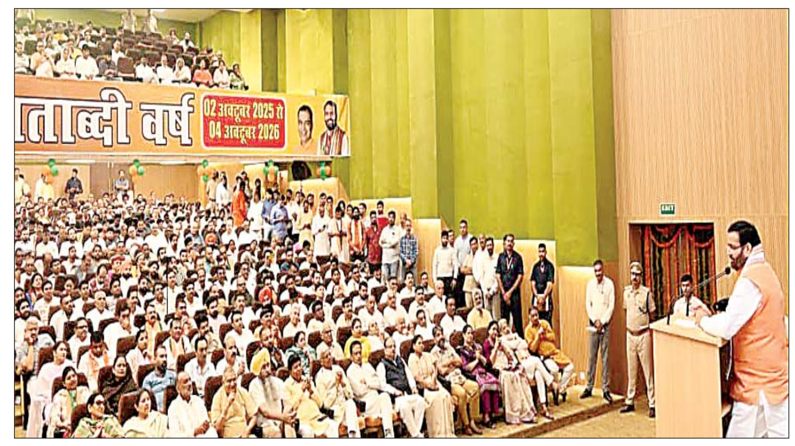

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा की जनता द्वारा भाजपा को मिला समर्थन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गरीब कल्याण नीतियों, अंत्योदय की भावना तथा सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र की जीत है। उन्होंने कहा कि आज देश का गरीब, किसान, युवा, महिला, व्यापारी और कर्मचारी वर्ग प्रधानमंत्री के नेतृत्व में स्वयं को सुरक्षित महसूस कर रहा है। यही कारण है कि देशभर में भाजपा लगातार जीत का परचम लहरा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिसार, गुरुग्राम, यमुनानगर और फरीदाबाद नगर निगम चुनावों के साथ–साथ अब पंचकूला, अंबाला और सोनीपत निगम चुनावों में भी जनता ने भाजपा को एकतरफा समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि निगम, परिषद और पालिका चुनावों में लोगों का विश्वास लगातार भाजपा की विकासात्मक नीतियों में बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में देश में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिला है। भारत ने विश्व पटल पर नई ऊंचाइयों को छुआ है, वहीं हरियाणा ने भी विभिन्न क्षेत्रों में नए आयाम स्थापित किए हैं। केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी नीतियों से गरीब और किसान सशक्त हुए हैं तथा महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है।

हाल ही में असम और पश्चिम बंगाल के चुनावों में हुई जीत का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि असम की डबल इंजन सरकार के विकास कार्यों को बंगाल की जनता ने भी सराहा और भाजपा के प्रति अपना विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी चुनावों में पंजाब की जनता भी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की नीतियों पर भरोसा जताते हुए कमल का फूल खिलाएगी । मुख्यमंत्री ने निकाय चुनावों में विजयी उम्मीदवारों को बधाई देते हुए उनसे जनता की आशाओं और आकांक्षाओं पर खरा उतरने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह जनादेश सत्ता नहीं, बल्कि सेवा का संदेश है। अपने–अपने वार्डों में लोगों की सड़कों, बिजली, पानी तथा अन्य मूलभूत समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करना उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए नागरिक देवो भव के मंत्र को शासन व्यवस्था का मूल आधार मानते हुए जनसेवा की भावना से कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनावों के दौरान जारी किए गए घोषणा पत्र को अक्षरश: लागू किया जाएगा। विपक्षी दलों पर कटाक्ष करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व की सरकारें घोषणाएं तो करती थीं, लेकिन उन्हें धरातल पर लागू नहीं करती थीं, जबकि वर्तमान सरकार अपने प्रत्येक वादे को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि विधानसभा चुनावों के दौरान लिए गए 217 संकल्पों में से 63 को सरकार ने डेढ़ वर्ष के भीतर पूरा कर लिया है तथा शेष पर तेजी से कार्य जारी है। इस अवसर पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल कौशिक , राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री विपुल गोयल , लोक निर्माण मंत्री श्री रणबीर गंगवा, सहकारिता मंत्री डॉ अरविन्द शर्मा , सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी , खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री श्री राजेश नागर , राज्यसभा सांसद श्री कार्तिकेय शर्मा एवं श्री रेखा शर्मा , पूर्व मंत्री श्री कंवर पाल गुर्जर, पंचकूला के नव–निर्वाचित मेयर श्री श्यामलाल बंसल, अंबाला की मेयर अक्षिता सैनी, सोनीपत के मेयर श्री राजीव जैन तथा मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव प्रवीण अत्रेय सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

हलोमाजरा में अवैध कब्जों पर चंडीगढ़ नगर निगम की बड़ी कार्रवाई, चार एकड़ जगह खाली करवाई

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
14 मई (पुनीत महाजन)

आज चंडीगढ़ नगर निगम द्वारा हलोमाजरा क्षेत्र में अवैध कब्जों को हटाने के लिए विशेष अभियान चलाया गया इसमें चार एकड़ जगह खाली करवाई गई इस दौरान कारपोरेशन के एक्शन अजय गर्ग ,बलराज चक्ररा, तहसीलदार पांडे जसकरण मौजूद थे अभियान चलाया गया इस संबंध में नगर निगम आयुक्त द्वारा आदेश जारी किए गए हैं। जारी आदेशों के अनुसार, हलोमाजरा में विभिन्न अवैध निर्माणों और अतिक्रमणों को हटाने के लिए नगर निगम, पुलिस विभाग, बिजली विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों की संयुक्त टीम गठित की गई है। यह अभियान पुलिस स्टेशन सेक्टर–31, चंडीगढ़ से शुरू किया गया

अभियान के दौरान जेसीबी मशीन, टिप्पर और अन्य आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था की गई। संबंधित अधिकारियों को अतिक्रमण हटाने, कानून व्यवस्था बनाए रखने, बिजली एवं पब्लिक हेल्थ से जुड़े कार्यों तथा वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सरकारी भूमि पर किए गए अवैध कब्जों और निर्माणों के खिलाफ यह कार्रवाई नियमानुसार की जाएगी। अभियान के दौरान पुलिस बल भी तैनात रहेगा ताकि शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखी जा सके। नगर निगम अधिकारियों ने आम जनता से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि सरकारी भूमि पर किसी प्रकार का अवैध कब्जा न करें तथा प्रशासनिक कार्रवाई में सहयोग दें।

बरसाती नाला बंद होने से दर्जनों गांव में बना बाढ़ का खतरा

» प्रथम न्यूज । कुरुक्षेत्र
14 मई (बृज मोहन)

जिला अंबाला व कुरुक्षेत्र की सीमा के साथ लगते गांवों के नागरिकों को गांव में बाढ़ आने के खतरे का डर सता रहा है। बाबा नौगजा पीर के पास बरसाती नाला बंद होने से दर्जनों गांव के लोगों को समस्या बने हुए हैं। इस समस्या को लेकर विधायक रामकरण काला भी मांग उठा चुके हैं, लेकिन समस्या ज्यों की त्यों बरकरार है। दर्जनों गांव के लोगों ने उपायुक्त को लिखित में शिकायत देकर समाधान किए जाने की गुहार लगाई है। इसके साथ ही ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते प्रशासन ने उनकी समस्या का हल नहीं किया तो वो मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मिलेंगे और अन्य कठोर कदम उठाने पर मजबूर होंगे।

ग्रामीणों ने बताया कि गांव लंडी की जमीन पर जीटी रोड पर बाबा नौगजा पीर के साथ लगती जगह पर बरसाती नाला शुरू से चल रहा है। जिससे बरसात के समय में पानी आसानी से आगे निकल जाता था। ये नाला बरसात के ओवरफ्लो पानी व गांव के गंदा पानी की निकासी का एकमात्र साधन है। कुछ लोगों ने जीटी रोड के साथ लगती जमीन खरीद ली और इस नाला का बंद कर दिया।

ग्रामीणों ने कहा कि इससे गांव लंडी, लंडा, केसरी सहित अंबाला जिला के दर्जनों गांव की भूमि के बरसाती पानी की निकासी रुक जाएगी। पानी खड़ा रहने से फसल भी खराब होगी। इसके साथ ही गांवों में बाढ़ की स्थिति पैदा हो जाएगी और घरों तक में पानी घुसने का भय बना रहेगा। नागरिकों को नाला बंद होने से जान माल के नुकसान होने का डर बना हुआ है। उन्होंने इस समस्या से विधायक रामकरण काला को भी अवगत करवाया, लेकिन समस्या का कोई समाधान नहीं हो पाया है।

ग्रामीणों ने इस समस्या से निजात पाने के लिए उपायुक्त को लिखित में शिकायत दी है। समाधान न होने पर वो मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को भी मिलेंगे। इसके वाबजूद भी यदि समस्या का हल नहीं हो पाया तो वो वो समस्या का समाधान ना होने पर आंदोलन करने की चेतावनी भी दी है।

बाढ़ के पानी से आमजन की जान माल की हानि को रोकने के लिए जिला प्रशासन ने की सफल मॉक ड्रिल : अनिल कुमार दून

» प्रथम न्यूज । पिहोवा
14 मई (मुकेश डोलिया)

उपमंडल अधिकारी नागरिक अनिल कुमार दून ने कहा कि बारिश के सीजन में बाढ़ के पानी से आमजन की जान माल की हानि को रोकने के लिए जिला प्रशासन मॉक ड्रिल कर रहा है, जोकि सफलता पूर्वक सम्पन्न हुई। प्राकृतिक आपदाओं को आने से रोकने तो संभव नहीं है, लेकिन इन आपदाओं से होने वाली हानियों को कम करने के लिए प्रशासन हमेशा प्रयासरत रहता है।

इसी दिशा में सभी विभागों ने मिलकर मॉक ड्रिल करते हुए अपनी–अपनी तैयारियों को परखा है। इस दौरान जो कमियां प्रशासन को महसूस हुई हैं, उन्हें समय रहते पूरा किया जाएगा, ताकि आपदा की स्थिति से निपटने में कोई कमी ना रहे। इस अभ्यास से ऐसी दुर्घटना के समय आपसी तालमेल के सहयोग से आमजन को बचाया जा सकता है।

एसडीएम अनिल कुमार दून वीरवार को उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा के निर्देशानुसार पिहोवा ब्लॉक के झांसा गांव में मॉक ड्रिल टेस्ट का निरीक्षण कर रहे थे। उन्होंने कहा कि झांसा गांव के डेरा मोहम्मद साहब और नरवाना ब्रांच नहर चयनित की गई थी, जिसमें मॉक ड्रिल टेस्ट का अभ्यास सभी विभागों द्वारा मिलकर किया गया।

ऐसे समय में झांसा सीएससी मेरे लिए कैंप बनाया गया। अनाज मंडी झांसा में स्टेजिंग एरिया खानपान के लिए चिन्हित किया गया। पशुपालन विभाग द्वारा पशुओं के चारे के व्यवस्था पशुओं को सुरक्षित स्थान पर लेकर आने के लिए एंबुलेंस ट्रैक्टर ट्रॉली में अन्य व्यवस्थाओं का इंतजाम किया गया।

उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग द्वारा लैंड ऑर्डर का अभ्यास किया गया है। इसके अतिरिक्त बाढ़ के पानी में फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए और लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचने के लिए एसडीआरएफ की पुलिस टीम, मेडिकल टीम के साथ मिलकर आमजन को कैसे बचाया जा सके इसका अभ्यास किया गया।

उन्होंने कहा कि बरसाती सीजन में आमजन को किसी प्रकार की समस्याओं का सामना ना करना पड़े इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा हर संभव प्रयास किया जाता है ताकि जिससे आमजन को किसी प्रकार कोई ना उठानी पड़े।

इस अवसर पर बीडीपीओ इस्माईलाबाद अंकित पूनिया, नायब तहसीलदार इस्माईलाबाद बलविंदर सिंह, नायब तहसीलदार पिहोवा सागर मल, एसएचओ झांसा नरेश कुमार, कानूनगो सुबोध कुमार, झांसा सरपंच पवन गाबा, राजपाल, बलदेव सिंह, चन्द्र दहिया, सोनू कुमार व सभी विभागो के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

कर्मचारियों की मांगों पर प्रशासन गंभीर – ज्वाइंट एक्शन कमेटी की कमिश्नर से सकारात्मक बैठक, कई मांगों पर बनी सहमति

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
14 मई (पुनीत महाजन)

ज्वाइंट एक्शन कमेटी ऑफ चंडीगढ़ एडमिनिस्ट्रेशन एंड एम.सी. एम्प्लॉइज एंड वर्कर्स, चंडीगढ़ की एक महत्वपूर्ण बैठक भारतीय जनता पार्टी हिमाचल प्रदेश के सह–प्रभारी संजय टंडन जी के नेतृत्व में म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चंडीगढ़ के कमिश्नर अमित कुमार जी के साथ सम्पन्न हुई। बैठक का उद्देश्य कर्मचारियों की लंबित मांगों एवं समस्याओं के समाधान को लेकर चर्चा करना था।

बैठक में ज्वाइंट एक्शन कमेटी के कन्वीनर सुरमुख सिंह एवं अन्य प्रतिनिधियों ने कर्मचारियों की विभिन्न मांगों को विस्तारपूर्वक कमिश्नर के समक्ष रखा तथा उनके शीघ्र समाधान की मांग की।

बैठक में प्रमुख रूप से निम्न मांगें रखी गईं–

ट्यूब ऑपरेटर (स्त्र्क्ष्स) कर्मचारियों को साप्ताहिक अवकाश (Weekly Rest) प्रदान किया जाए।

ट्रेड मेट कर्मचारियों को प्रमोट कर ट्यूब ऑपरेटर बनाया जाए।

बागवानी विभाग के मालियों की लंबित प्रमोशन जल्द की जाए।

एम.ओ.यू. के तहत सार्वजनिक शौचालयों में कार्यरत कर्मचारियों को डी.सी. रेट के अनुसार वेतन दिया जाए।

कमिश्नर अमित कुमार जी ने बैठक के दौरान ही चीफ इंजीनियर संजय अरोड़ा जी तथा एस.ई. किशनपाल सिंह जी को मौके पर बुलाकर मांगों पर विस्तार से चर्चा की। चर्चा के दौरान ट्यूब ऑपरेटर कर्मचारियों को वीकली लीव देने पर सहमति बनी।

इसके अतिरिक्त ट्रेड मेट कर्मचारियों की प्रमोशन नियमों के अनुसार करने के निर्देश दिए गए। बागवानों की प्रमोशन संबंधी मामले को भी संबंधित अधिकारियों को भेजते हुए शीघ्र कार्रवाई करने के लिए कहा गया। अन्य मांगों पर भी सकारात्मक चर्चा हुई तथा उन्हें जल्द लागू करने का आश्वासन दिया गया।

ज्वाइंट एक्शन कमेटी के सभी सदस्यों ने संजय टंडन जी एवं कमिश्नर अमित कुमार जी का कर्मचारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनने तथा उनके समाधान की दिशा में सकारात्मक पहल करने के लिए धन्यवाद व्यक्त किया।

बैठक में सुरमुख सिंह, राजा राम, कमल कुमार, जगमोहन सिंह, कुलदीप सिंह, राम सिंह, सुरिंदरपाल सिंह, रविंदर बिंदु, सुरिंदर शर्मा, गुरमीत सिंह एवं अश्वनी कुमार उपस्थित रहे।

प्रदेश के टीबी मुक्त अभियान में कुरुक्षेत्र का राज्य में दूसरा स्थान : विश्राम कुमार मीणा

» प्रथम न्यूज । कुरुक्षेत्र
14 मई (बृज मोहन)

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि टीबी मुक्त भारत अभियान में हिस्सा लेते हुए कुरुक्षेत्र जिला ने प्रदेश में दूसरा स्थान हासिल किया है। प्रशासन का लक्ष्य प्रथम स्थान पर रहते हुए जिला को टीबी मुक्त बनाना है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम और मेहनत के साथ काम करेगी और इस लक्ष्य को हासिल करने में प्रशासन स्वास्थ्य विभाग को पूरा सहयोग करेगा।

प्रशासन 21 जून को करेगा पंचायतों को सम्मानित

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग ने एचपीवी वैक्सीनेशन, एनीमिया, जनगणना–2027, टीबी मुक्त अभियान सहित अनेक कार्यक्रम चले हुए हैं। इसके साथ ही किसी भी विकास कार्य के लिए भूमि भी पंचायतों द्वारा ही उपलब्ध करवाई जा रही है। उन्होंने पंचायतों से अपील करते हुए कहा कि सरकार व प्रशासन के कार्य व अभियानों में निरंतर सहयोग करें। इन अभियानों को बढ़चढ़ कर सहयोग करने वाली पंचायतों को 21 जून को ऐसा ही कार्यक्रम आयोजित कर सम्मानित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में डिप्टी सिविल सर्जन डा. सैलजा, डा. संदीप अग्रवाल, डा. अंजलि वैद्य ने भी स्वास्थ्य विभाग के टीकाकरण अभियानों पर विशेष प्रकाश डाला। इस मौके पर डिप्टी सीएमओ डा. जोगिंद्र मलिक, एसएमओ डा. सुरेश सहोता सहित अन्य गणमान्य लोग व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
संपादकीय
Website : www.prathamnews.in

आज का
संपादकीय

धारा 498 और घरेलू हिंसा कानून के कथित दुरुपयोग पर संतुलित दृष्किोण

भारत में महिलाओं की सुरक्षा के लिए बनाए गए कानून, जैसे कि भारतीय दंड संहिता की धारा 498 तथा घरेलू हिंसा अधिनियम, समाज में महिलाओं को उत्पीड़न, दहेज प्रताड़ना और मानसिक या शारीरिक हिंसा से बचाने के उद्देश्य से लागू किए गए थे। इन कानूनों ने हजारों पीड़ित महिलाओं को न्याय दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

महेश रहेजा
महासचिव
जर्नलिस्ट प्रेस क्लब

लेकिन पिछले कुछ वर्षों में यह विषय भी चर्चा का केंद्र बना है कि कुछ मामलों में इन कानूनों का कथित रूप से दुरुपयोग किया जा रहा है। कई सामाजिक संगठनों, कानूनी विशेषज्ञों और अदालतों ने भी इस विषय पर चिंता व्यक्त की है कि कहीं-कहीं व्यक्तिगत बदले, पारिवारिक विवाद या आर्थिक दबाव बनाने के लिए इन धाराओं का इस्तेमाल किया जाता है।

क्या है धारा 498A?

धारा 498A के अंतर्गत यदि किसी विवाहित महिला को पति या उसके परिवार द्वारा दहेज या क्रूरता के कारण प्रताड़ित किया जाता है, तो पुलिस आपराधिक मामला दर्ज कर सकती है। यह एक गैर-जमानती और संज्ञेय अपराध माना जाता है।

इसी प्रकार घरेलू हिंसा अधिनियम महिलाओं को मानसिक, आर्थिक, शारीरिक और भावनात्मक हिंसा से सुरक्षा प्रदान करता है।

दुरुपयोग के आरोप क्यों उठते हैं?

कई मामलों में यह देखा गया है कि पति के साथ-साथ उसके पूरे परिवार – बुजुर्ग माता-पिता, विवाहित बहनें या दूर के रिश्तेदारों – को भी एक साथ नामजद कर दिया जाता है। बाद में जांच या अदालत में कई आरोप सिद्ध नहीं हो पाते।

देश की विभिन्न अदालतों ने भी कहा है कि कानून का उद्देश्य सुरक्षा देना है, न कि किसी निर्दोष व्यक्ति को परेशान करना। सर्वोच्च न्यायालय ने कई निर्णयों में पुलिस को बिना जांच तत्काल गिरफ्तारी से बचने की सलाह दी है।

सामाजिक प्रभाव

यदि किसी कानून का गलत उपयोग होता है, तो उसका प्रभाव केवल आरोपी परिवार पर ही नहीं बल्कि वास्तविक पीड़ित महिलाओं पर भी पड़ता है। झूठे मामलों की बढ़ती धारणा के कारण कई बार समाज असली शिकायतों को भी गंभीरता से नहीं लेता।

इसके अलावा पारिवारिक विवाद लंबी कानूनी लड़ाई में बदल जाते हैं, जिससे दोनों पक्षों को मानसिक, सामाजिक

समाधान क्या हो सकता है?

पुलिस द्वारा निष्पक्ष और गहन जांच
बिना पर्याप्त साक्ष्य जल्दबाजी में गिरफ्तारी से बचाव
परिवार परामर्श और मध्यस्थता को बढ़ावा
झूठी शिकायत सिद्ध होने पर कानूनी कार्रवाई
वास्तविक पीड़ितों को त्वरित न्याय

निष्कर्ष

यह सत्य है कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए मजबूत कानून आवश्यक हैं, क्योंकि समाज में आज भी अनेक महिलाएं घरेलू हिंसा और दहेज प्रताड़ना का सामना करती हैं। लेकिन साथ ही यह भी जरूरी है कि किसी भी कानून का दुरुपयोग न हो। न्याय व्यवस्था का उद्देश्य केवल सजा देना नहीं, बल्कि निष्पक्षता और संतुलन बनाए रखना भी है।

समाज और कानून दोनों की जिम्मेदारी है कि वास्तविक पीड़ितों को सुरक्षा मिले और निर्दोष लोगों को अनावश्यक उत्पीड़न का सामना न करना पड़े।

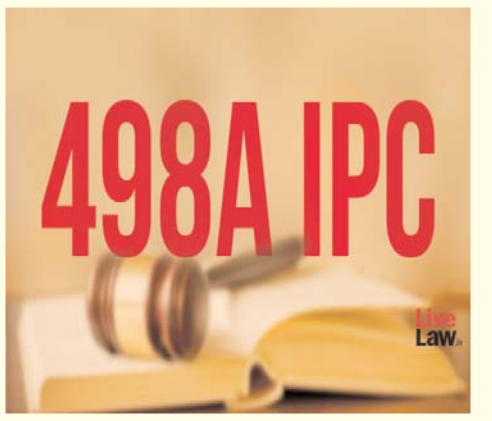

दीन के साथ दुनिया की तालीम

मदरसा शिक्षा का आधुनिकीकरण समय की आवश्यकता है, ताकि छात्र धार्मिक ज्ञान के साथ आधुनिक शिक्षा और रोजगार के अवसरों से भी जुड़ सकें। सरकार की योजनाएं तभी सफल होंगी जब उनमें पारदर्शिता, पर्याप्त संसाधन और समुदाय का विश्वास शामिल होगा। परंपरा और आधुनिकता के संतुलन से ही शिक्षा वास्तव में समावेशी और सशक्त बन सकती है। मजबूत और आधुनिक मदरसा शिक्षा व्यवस्था देश के सामाजिक विकास और राष्ट्रीय एकता को भी नई दिशा दे सकती है।

सुरिंदर कुमार चौहान
चंडीगढ़

भारत की शिक्षा व्यवस्था विविधताओं से भरी हुई है। यहां गुरुकुल की परंपरा भी रही है और आधुनिक विश्वविद्यालयों की भी। इसी विविध शैक्षिक संरचना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा मदरसा शिक्षा प्रणाली है, जिसने सदियों तक मुस्लिम समाज की धार्मिक, सांस्कृतिक और नैतिक चेतना को संरक्षित रखने में अहम भूमिका निभाई है। मदरसों ने केवल धार्मिक शिक्षा ही नहीं दी, बल्कि सामाजिक मूल्यों, अनुशासन और आध्यात्मिक समझ को भी मजबूत किया है। लेकिन 21वीं सदी की तेज़ी से बदलती दुनिया में यह सवाल लगातार उठ रहा है कि क्या केवल पारंपरिक धार्मिक शिक्षा आज के युवाओं को भविष्य की चुनौतियों के लिए पर्याप्त रूप से तैयार कर सकती है? यही वह बिंदु है जहां परंपरा और आधुनिकता के बीच संतुलन बनाने की आवश्यकता सामने आती है।

आज का दौर विज्ञान, तकनीक, डिजिटल ज्ञान और वैश्विक प्रतिस्पर्धा का दौर है। रोजगार के अवसरों से लेकर सामाजिक भागीदारी तक हर क्षेत्र में आधुनिक शिक्षा की भूमिका बढ़ गई है। ऐसे में मदरसा शिक्षा को मुख्यधारा की शिक्षा के साथ जोड़ना केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि सामाजिक समावेशन और राष्ट्रीय विकास की आवश्यकता बन चुकी है। यह समझना जरूरी है कि मदरसों के आधुनिकीकरण का उद्देश्य धार्मिक शिक्षा को समाप्त करना नहीं है, बल्कि उसमें आधुनिक विषयों को शामिल कर छात्रों को व्यापक अवसर उपलब्ध कराना है।

भारत सरकार ने इस दिशा में समय-समय पर कई पहलें की हैं। 1993 में शुरू किया गया मदरसा मॉडर्नाइजेशन प्रोग्राम इस दिशा में शुरुआती प्रयासों में से एक था। इसके तहत मदरसों में गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान जैसे विषयों को शामिल करने की पहल की गई। सरकार ने इन विषयों को पढ़ाने के लिए शिक्षकों की नियुक्ति और उन्हें मानदेय देने की व्यवस्था भी की। यह एक महत्वपूर्ण नीति परिवर्तन था, क्योंकि इससे पहली बार यह स्वीकार किया गया कि केवल धार्मिक शिक्षा के आधार पर छात्रों को आधुनिक समाज में प्रतिस्पर्धी बनाना कठिन होगा।

इसके बाद वर्ष 2009-10 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा शुरू की गई स्कीम फॉर प्रोवाइडिंग क्वालिटी एजुकेशन इन मदरसाज (SPQEM) ने इस प्रयास को नई दिशा दी। इस योजना के तहत उन मदरसों को आर्थिक सहायता दी गई जिन्होंने आधुनिक विषयों को अपने पाठ्यक्रम में शामिल करने की सहमति दी। विज्ञान प्रयोगशालाओं, कंप्यूटर शिक्षा, शिक्षण सामग्री और प्रशिक्षित शिक्षकों की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया। इस योजना का मूल उद्देश्य यह था कि मदरसा छात्र धार्मिक शिक्षा के साथ-साथ ऐसी शैक्षणिक योग्यता भी प्राप्त करें, जो उन्हें उच्च शिक्षा और रोजगार के अवसरों तक पहुंचा सके। इसी अवधि में इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट इन माइनॉरिटी इंस्टीट्यूशन्स (IDMI) योजना भी शुरू की गई, जिसने मदरसों की भौतिक स्थिति सुधारने पर ध्यान केंद्रित किया। कई मदरसों में भवन, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं, स्वच्छ पेयजल और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव था। IDMI के माध्यम से इन कमियों को दूर करने का प्रयास किया गया। SPQEM और IDMI ने मिलकर मदरसा शिक्षा को अधिक व्यवस्थित और उपयोगी बनाने की दिशा में एक मजबूत आधार तैयार किया। राज्य सरकारों ने भी अपने स्तर पर विभिन्न प्रयोग किए। उत्तराखंड, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों ने मदरसों में आधुनिक विषयों को शामिल करने, कंप्यूटर शिक्षा बढ़ाने और छात्रों को मुख्यधारा की परीक्षाओं से जोड़ने के लिए कई योजनाएं लागू कीं। महाराष्ट्र की डॉ. जाकिर हुसैन मदरसा मॉडर्नाइजेशन योजना हो या उत्तर प्रदेश में पाठ्यक्रम को मानकीकृत करने की पहल, इन प्रयासों का उद्देश्य स्पष्ट था- मदरसा छात्रों को ऐसा ज्ञान देना जिससे वे समाज की मुख्यधारा में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकें।

हाल ही में उत्तराखंड सरकार द्वारा लाया गया माइनॉरिटी एजुकेशन बिल-2025 इस दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। इसका उद्देश्य मदरसों को राज्य शिक्षा बोर्ड से जोड़ना और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप पाठ्यक्रम विकसित करना है। यह बदलाव केवल प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि शिक्षा के एक समान और समावेशी ढांचे की ओर बढ़ने का संकेत है।

हालांकि, यह भी सच है कि मदरसा आधुनिकीकरण की राह आसान नहीं रही। कई बार इसे धार्मिक पहचान पर हस्तक्षेप के रूप में देखा गया, जिससे कुछ वर्गों में आशंकाएं पैदा हुईं। सरकारों की नीतियों और समुदाय के बीच संवाद की कमी भी एक बड़ी चुनौती रही है। यह समझना होगा कि किसी भी सुधार को सफल बनाने के लिए विश्वास सबसे महत्वपूर्ण तत्व होता है। यदि समुदाय को यह भरोसा दिलाया जाए कि धार्मिक शिक्षा को कमजोर किए बिना आधुनिक विषय जोड़े जा रहे हैं, तो बदलाव को अधिक सहजता से स्वीकार किया जा सकता है।

आज जरूरत इस बात की है कि मदरसा शिक्षा को केवल धार्मिक संस्थान के रूप में नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन के केंद्र के रूप में देखा जाए। आधुनिक शिक्षा से जुड़े बिना लाखों छात्र रोजगार, तकनीकी दक्षता और प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं से दूर रह जाते हैं। इससे सामाजिक और आर्थिक असमानता बढ़ती है। यदि मदरसा छात्र विज्ञान, तकनीक, भाषा और कौशल विकास की शिक्षा प्राप्त करेंगे, तो वे डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक, प्रशासनिक अधिकारी और उद्यमी बनने के अवसर भी हासिल कर सकेंगे।

इसके लिए कुछ महत्वपूर्ण कदमों पर गंभीरता से काम करने की आवश्यकता है। सबसे पहले, शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को मजबूत बनाना होगा ताकि धार्मिक और आधुनिक विषयों के बीच संतुलन स्थापित किया जा सके। दूसरा, योजनाओं के लिए समय पर और पारदर्शी फंडिंग सुनिश्चित करनी होगी। तीसरा, डिजिटल शिक्षा और कंप्यूटर प्रशिक्षण को हर मदरसे तक पहुंचाना होगा। चौथा, स्किल डेवलपमेंट और व्यावसायिक शिक्षा को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाना चाहिए, ताकि छात्र केवल डिग्री नहीं बल्कि रोजगार योग्य कौशल भी प्राप्त कर सकें। सबसे महत्वपूर्ण, सरकार और समुदाय के बीच लगातार संवाद होना चाहिए, जिससे सुधार की प्रक्रिया विश्वास और सहयोग के साथ आगे बढ़ सके। मदरसा शिक्षा का आधुनिकीकरण परंपरा के खिलाफ कोई कदम नहीं है, बल्कि परंपरा को भविष्य से जोड़ने का प्रयास है। भारत जैसे बहुलतावादी देश में शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं, बल्कि हर वर्ग को समान अवसर प्रदान करना भी होना चाहिए। जब धार्मिक शिक्षा आधुनिक ज्ञान के साथ आगे बढ़ेगी, तभी वास्तव में एक ऐसा समाज बन सकेगा जो अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ा होने के साथ-साथ आधुनिक दुनिया की चुनौतियों का भी सफलतापूर्वक सामना कर सके।

NEET-UG 2026 पेपर लीक पर भड़के राजबीर सिंह भारतीय

बोले, युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ बंद हो, पेपर लीक मामले में उच्च अधिकारियों की जवाबदेही तय हो

NEET-UG 2026 परीक्षा के कथित पेपर लीक मामले को लेकर हरियाणा के एडवोकेट जनरल कार्यालय से सेवानिवृत्त अधीक्षक एवं वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता राजबीर सिंह भारतीय ने सरकार और परीक्षा संचालित करने वाली एजेंसियों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम को देश की युवा शक्ति के साथ अन्याय और प्रशासनिक तंत्र की बड़ी विफलता करार दिया।

राजबीर भारतीय ने कहा कि केवल निचले स्तर के आरोपियों की गिरफ्तारी पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन उच्च अधिकारियों की जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए जिनकी निगरानी में इतनी बड़ी चूक हुई। उन्होंने कहा कि जब तक शीर्ष स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित नहीं होगी, तब तक इस प्रकार की घटनाओं पर रोक लगाना संभव नहीं होगा।

उन्होंने छात्रों के भविष्य को लेकर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि

राजबीर सिंह भारतीय

जांच और लंबी कानूनी प्रक्रिया के चलते कई विद्यार्थी ओवरएज होने के खतरे का सामना कर सकते हैं। डिजिटल युग में ऑनलाइन पोर्टल किसी प्रकार की देरी या बहाने को स्वीकार नहीं करते। यदि किसी छात्र की आयु सीमा एक दिन भी पार हो गई, तो उसका पूरा भविष्य प्रभावित हो सकता है। भारतीय ने कहा कि मामला अब सीबीआई जांच के अधीन है और इसके बाद अदालतों में लंबी सुनवाई का दौर चलेगा। इस प्रक्रिया में छात्रों का कीमती समय बर्बाद होगा, जिसकी भरपाई संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि जो विद्यार्थी डॉक्टर बनने के सपने लेकर कोचिंग संस्थानों में मेहनत कर रहे थे, वे आज सड़कों पर आंदोलन करने को मजबूर हैं। लगातार तनाव और अनिश्चितता उनके मानसिक मनोबल को तोड़ रही है।

उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार की धांधली केवल छात्रों का नहीं, बल्कि अभिभावकों और पूरे राष्ट्र का नुकसान है। मेहनतकश परिवार अपनी जमा-पूंजी बच्चों की पढ़ाई पर खर्च करते हैं और ऐसी घटनाएं उनके विश्वास को भी तोड़ देती हैं। उन्होंने सरकार से मांग की कि मामले में जीरो-टोलरेंस नीति अपनाते हुए तय समय सीमा में निष्पक्ष कार्रवाई की जाए तथा दोषियों को कड़ी सजा देकर उदाहरण प्रस्तुत किया जाए।

शिक्षा माफिया और पेपर लीक : युवाओं के सपनों पर सबसे बड़ा हमला

भारत को सदियों से ज्ञान, शिक्षा और गुरुकुलों की भूमि कहा जाता रहा है। इस देश ने दुनिया को शिक्षा, नैतिकता और मानवता का मार्ग दिखाया। नालंदा और तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालय केवल भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व के लिए ज्ञान के केंद्र थे। भारतीय समाज में शिक्षा को हमेशा पूजा के समान माना गया। कहा जाता है कि शिक्षा वह शक्ति है जो व्यक्ति को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाती है। लेकिन आज वही शिक्षा व्यवस्था गंभीर संकट से गुजर रही है। वर्तमान समय में प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार हो रहे पेपर लीक ने देश की पूरी शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

हाल ही में देश की प्रतिष्ठित चिकित्सा प्रवेश परीक्षा हृश्वश्वज्ञ को लेकर सामने आए पेपर लीक विवाद ने लाखों विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों को चिंता में डाल दिया है। यह घटना केवल एक परीक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस गहरे भ्रष्ट तंत्र की ओर संकेत करती है जिसे आज लोग 卐शिक्षा माफिया卐 के नाम से जानते हैं। यह विवाद केवल एक परीक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत की प्रतियोगी परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, सुरक्षा और जवाबदेही की कमी को भी उजागर करता है। लाखों मेहनती छात्रों का भविष्य ऐसी घटनाओं से प्रभावित होता है। छात्र दिन रात एक मेहनत करके परीक्षा देते है इस उम्मीद के साथ के परीक्षा को उर्तीण कर लेगे परन्तु दूसरी तरफ पेपर लीक लाखों में पेपर को खरीदा जाता है।

आज देश में लगभग हर बड़ी प्रतियोगी परीक्षा के बाद पेपर लीक, नकल माफिया, फर्जीवाड़ा और भ्रष्टाचार की खबरें सामने आती हैं। कभी पुलिस भर्ती परीक्षा का पेपर लीक होता है, कभी शिक्षक भर्ती परीक्षा का, तो कभी मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं का। इससे यह स्पष्ट हो चुका है कि शिक्षा के क्षेत्र में कुछ ऐसे संगठित गिरोह सक्रिय हैं जो विद्यार्थियों के भविष्य को पैसों के बदले बेच रहे हैं। यह स्थिति केवल शिक्षा व्यवस्था के लिए ही नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र के भविष्य के लिए अत्यंत खतरनाक है।

प्रतियोगी परीक्षाएँ किसी भी देश की प्रतिभा को पहचानने और योग्य युवाओं को अवसर देने का माध्यम होती हैं। इन परीक्षाओं के माध्यम से डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक, प्रशासनिक अधिकारी और वैज्ञानिक चुने जाते हैं। यदि इन परीक्षाओं की निष्पक्षता समाप्त हो जाए, तो देश की पूरी व्यवस्था कमजोर हो जाती है। एक विद्यार्थी वर्षों तक कठिन परिश्रम करता है। वह दिन-रात पढ़ाई करता है, अपने सपनों को पूरा करने के लिए हर सुख-सुविधा का त्याग करता है।

कई विद्यार्थी आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद कोचिंग लेते हैं, किराए के कमरों में रहकर तैयारी करते हैं और अपने माता-पिता की उम्मीदों को पूरा करने के लिए संघर्ष करते हैं। लेकिन जब परीक्षा से पहले ही प्रश्नपत्र बाजार में बिकने लगते हैं, तब मेहनत और ईमानदारी का महत्व समाप्त हो जाता है। पेपर लीक की घटनाएँ विद्यार्थियों के मनोबल को तोड़ देती हैं। जो छात्र पूरी ईमानदारी से तैयारी करते हैं, उनके भीतर निराशा और गुस्सा पैदा होता है। उन्हें लगने लगता है कि इस व्यवस्था में सफलता मेहनत से नहीं बल्कि पैसे और पहुंच से मिलती है। यही कारण है कि आज अनेक युवा मानसिक तनाव, अवसाद और असुरक्षा का शिकार हो रहे हैं।

कई विद्यार्थी वर्षों तक एक ही परीक्षा की तैयारी करते रहते हैं, लेकिन जब परीक्षा रद्द हो जाती है या पेपर लीक की खबर सामने आती है, तब उनकी मेहनत पर पानी फिर जाता है। यह केवल समय की बर्बादी नहीं बल्कि मानसिक पीड़ा भी है।

शिक्षा माफिया का नेटवर्क आज इतना मजबूत हो चुका है कि इसमें कई बार कोचिंग सेंटर, दलाल, भ्रष्ट अधिकारी और तकनीकी विशेषज्ञ तक शामिल पाए जाते हैं। ये लोग परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र प्राप्त कर उसे लाखों रुपये में बेचते हैं।

बीएस शैट्टी चेत
(शिक्षाविद्)

कई बार छात्रों से भारी रकम लेकर उन्हें परीक्षा में पास कराने का झूठा वादा किया जाता है। कुछ मामलों में तो इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करके नकल तक करवाई जाती है। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं बल्कि समाज की नैतिकता पर भी हमला है।

NEET जैसी परीक्षा का महत्व इसलिए अधिक है क्योंकि इसके माध्यम से भविष्य के डॉक्टर चुने जाते हैं। डॉक्टर केवल एक पेशा नहीं बल्कि समाज की सेवा का माध्यम होता है। यदि मेडिकल क्षेत्र में प्रवेश ही भ्रष्टाचार के आधार पर होने लगे, तो भविष्य में समाज को योग्य डॉक्टर कैसे मिलेंगे?

कल्पना कीजिए कि यदि कोई छात्र मेहनत के बजाय पैसे देकर मेडिकल कॉलेज में प्रवेश प्राप्त कर ले, तो उसके हाथों में लोगों की जिंदगी कितनी सुरक्षित होगी? यही कारण है कि शिक्षा में भ्रष्टाचार केवल परीक्षा तक सीमित नहीं रहता बल्कि उसका प्रभाव पूरे समाज पर पड़ता है।

आज देश का युवा सबसे अधिक निराश इसलिए है क्योंकि उसे अपनी मेहनत पर भरोसा कम और व्यवस्था पर अविश्वास अधिक होने लगा है। जब बार-बार पेपर लीक होते हैं, तब युवाओं के मन में यह भावना पैदा होती है कि ईमानदारी का कोई मूल्य नहीं है। यह स्थिति लोकतंत्र के लिए भी खतरनाक है क्योंकि किसी भी लोकतांत्रिक राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत उसका युवा वर्ग होता है। यदि वही वर्ग व्यवस्था से निराश हो जाए, तो समाज में असंतोष और अव्यवस्था बढ़ने लगती है।

पेपर लीक की घटनाओं का सबसे अधिक प्रभाव गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों पर पड़ता है। अमीर परिवारों के पास संसाधनों की कमी नहीं होती, लेकिन सामान्य परिवार अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए कर्ज तक लेते हैं। माता-पिता अपने सपनों को त्यागकर बच्चों की शिक्षा पर पैसा खर्च करते हैं। कई किसान अपनी जमीन बेच देते हैं, मजदूर अतिरिक्त काम करते हैं और माताएँ अपने गहने तक गिरवी रख देती हैं ताकि उनका बच्चा पढ़-लिखकर सफल हो सके। लेकिन जब परीक्षा रद्द होती है, तब केवल छात्र ही नहीं बल्कि पूरा परिवार टूट जाता है। यह भी सच है कि वर्तमान समय में शिक्षा धीरे-धीरे व्यवसाय बनती जा रही है। अनेक निजी संस्थान और कोचिंग उद्योग शिक्षा को सेवा नहीं बल्कि व्यापार की तरह देख रहे हैं। प्रतियोगिता इतनी बढ़ चुकी है कि कई लोग किसी भी कीमत पर सफलता प्राप्त करना चाहते हैं। यही मानसिकता शिक्षा माफिया को बढ़ावा देती है। जब समाज में ईमानदारी से अधिक परिणाम को महत्व दिया जाने लगता है, तब भ्रष्टाचार जन्म लेता है।

सोशल मीडिया और इंटरनेट के दौर में पेपर लीक का खतरा और भी बढ़ गया है। आज कुछ ही मिनटों में प्रश्नपत्र लाखों लोगों तक पहुंच सकता है। व्हाट्सएप, टेलीग्राम और अन्य माध्यमों के जरिए प्रश्नपत्र वायरल कर दिए जाते हैं। कई बार फर्जी पेपर भी फैलाए जाते हैं जिससे विद्यार्थियों में भ्रम की स्थिति पैदा होती है। इसलिए केवल पारंपरिक सुरक्षा उपाय पर्याप्त नहीं हैं। सरकार को तकनीकी स्तर पर भी मजबूत व्यवस्था विकसित करनी होगी।

परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई सुधारों की आवश्यकता है। सबसे पहले प्रश्नपत्र तैयार करने और वितरण की प्रक्रिया को अत्यंत गोपनीय और डिजिटल रूप से सुरक्षित बनाना होगा। परीक्षा केंद्रों की निगरानी बढ़ानी होगी। दोषियों के खिलाफ कठोर कानून लागू करने होंगे ताकि कोई भी व्यक्ति इस प्रकार के अपराध करने का साहस न कर सके। यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी की संलिप्तता पाई जाती है, तो उसे केवल निलंबित करने के बजाय सख्त कानूनी सजा दी जानी चाहिए।

इसके साथ ही विद्यार्थियों में नैतिक शिक्षा और ईमानदारी के मूल्यों को भी मजबूत करना आवश्यक है। केवल कानून से समस्या समाप्त नहीं होगी, जब तक समाज की सोच नहीं बदलेगी। हमें यह समझना होगा कि गलत तरीके से प्राप्त सफलता कभी स्थायी नहीं होती। सच्ची सफलता वही है जो मेहनत, लगन और ईमानदारी से प्राप्त हो।

शिक्षकों की भूमिका भी इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षक केवल पढ़ाने वाला व्यक्ति नहीं बल्कि समाज का मार्गदर्शक होता है। यदि शिक्षक विद्यार्थियों में नैतिकता, अनुशासन और परिश्रम का महत्व विकसित करें, तो युवा गलत रास्तों से दूर रहेंगे। शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं बल्कि अच्छे नागरिक बनाना भी होना चाहिए। मीडिया की भूमिका भी इस विषय में महत्वपूर्ण है। कई बार मीडिया इन घटनाओं को उजागर करके दोषियों को सामने लाने का काम करता है। लेकिन केवल सनसनी फैलाना पर्याप्त नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि समाज में शिक्षा सुधार को लेकर गंभीर चर्चा हो। सरकार, न्यायपालिका, प्रशासन, शिक्षक, अभिभावक और विद्यार्थी – सभी को मिलकर इस समस्या का समाधान खोजना होगा। भारत आज विश्व की सबसे युवा आबादी वाला देश माना जाता है। यह युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी पूंजी है।

यदि यही युवा निराश और हताश हो गया, तो देश की प्रगति रुक जाएगी। इसलिए शिक्षा व्यवस्था को निष्पक्ष, पारदर्शी और भरोसेमंद बनाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। पेपर लीक जैसी घटनाएँ केवल कानून व्यवस्था की विफलता नहीं बल्कि सामाजिक और नैतिक पतन का संकेत भी हैं। आज जरूरत केवल दोषियों को पकड़ने की नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था में विश्वास बहाल करने की है। विद्यार्थियों को यह महसूस होना चाहिए कि उनकी मेहनत व्यर्थ नहीं जाएगी। जब तक युवाओं को न्याय और समान अवसर नहीं मिलेगा, तब तक देश का विकास अधूरा रहेगा।

शिक्षा किसी भी राष्ट्र की रीढ़ होती है। यदि यही रीढ़ भ्रष्टाचार से कमजोर हो जाए, तो राष्ट्र का भविष्य भी डगमगा जाता है। इसलिए शिक्षा को माफियाओं और भ्रष्टाचार से मुक्त करना केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं बल्कि पूरे समाज का कर्तव्य है। हमें ऐसी व्यवस्था बनानी होगी जहाँ किसी छात्र को यह न लगे कि सफलता खरीदने की वस्तु है। मेहनत, प्रतिभा और ईमानदारी को ही सफलता का आधार बनाना होगा।

पेपर लीक केवल एक परीक्षा का संकट नहीं बल्कि देश के भविष्य का संकट है। यह युवाओं के सपनों, माता-पिता की उम्मीदों और समाज के विश्वास पर हमला है। यदि समय रहते इस समस्या पर कठोर कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियाँ शिक्षा व्यवस्था पर भरोसा खो देंगी। इसलिए अब समय आ गया है कि शिक्षा को राजनीति, भ्रष्टाचार और माफियाओं से मुक्त करके उसे फिर से ज्ञान, नैतिकता और राष्ट्र निर्माण का माध्यम बनाया जाए। तभी भारत वास्तव में एक शक्तिशाली, शिक्षित और विकसित राष्ट्र बन सकेगा। पेपर लीक केवल तकनीकी विफलता नहीं, बल्कि नैतिक पतन का संकेत है।

जब मेहनत से ज्यादा जुगाड़ को महत्व मिलने लगे, तब प्रतिभा का विश्वास टूटने लगता है। इसलिए आवश्यकता केवल नई तकनीक की नहीं, बल्कि ईमानदार प्रशासन, कठोर कानून और नैतिक शिक्षा की भी है। तभी देश का युवा निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा में विश्वास कर पाएगा।

मंडी में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन पर जयराम ठाकुर का तीखा हमला

मुख्यमंत्री की घोषणाओं को बताया विवेकहीन और द्वेषपूर्ण, कहा, मंडी में मुख्यमंत्री ने वोट के बदले पार्षदों को दिया 50-50 लाख बजट का लालच

» प्रथम न्यूज । मंडी
14 मई (एएम नाथ)

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने मंडी में चुनाव प्रचार के दौरान प्रदेश की सुक्खू सरकार और कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए मुख्यमंत्री द्वारा पार्षदों के लिए पचास-पचास लाख रुपये देने की घोषणा को आदर्श चुनाव आचार संहिता का घोर उल्लंघन करार दिया है। उन्होंने कहा कि एक मुख्यमंत्री को झूठ बोलना शोभा नहीं देता है। अब तो पूरा देश बढ़ गया है कि हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू सिर्फ और सिर झूठ बोलते हैं। उनकी पार्टी के लोग भी उन्हें अब गंभीरता से नहीं लेते हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रचार अभियान के दौरान कांग्रेस पार्षदों की जीत के बदले बजट का लालच देना न केवल असंवैधानिक है, बल्कि यह मुख्यमंत्री की विवेकहीन और द्वेषपूर्ण सोच को भी दर्शाता है। जब उन्हें मालूम है कि आजकल आदर्श चुनाव आचार संहिता प्रभावी है तो जनसभा में ऐसे प्रलोभन देना उन्हें शोभा नहीं देता।

उन्होंने कहा कि मंडी में आकर मुख्यमंत्री ने राजनीतिक लाभ के लिए प्रचार अभियान में पैसे बांटने का लालच दिया लेकिन जनता समझ चुकी है कि कांग्रेस पार्टी के झांसे में नहीं आना है। कांग्रेस हमेशा चुनाव जीतने के लिए झूठी गारंटियों का सहारा लेती है और अब इनके मंसूबे पूरे नहीं होने वाले हैं। जयराम ठाकुर ने स्पष्ट किया कि अर्बन चैलेंज योजना के तहत विकास के लिए पैसा केंद्र सरकार द्वारा प्रदान किया जाता है, ऐसे में राज्य सरकार इस धन को अपना बताकर जनता पर झूठा एहसान जताने की कोशिश न करे। जयराम ठाकुर ने मंडी के विकास कार्यों में भेदभाव का आरोप लगाते हुए सरकार से जवाब मांगा कि जब मंडी से एक हजार करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट केंद्र को भेजे गए थे, तो सुक्खू सरकार ने केवल 180 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स को ही स्वीकृति क्यों दी? पूर्व मुख्यमंत्री ने तंज कसते हुए कहा कि मुख्यमंत्री का मंडी में स्वागत है, लेकिन उन्हें यहाँ आकर झूठ बोलने के बजाय यह बताना चाहिए कि बीते साढ़े तीन सालों में उन्होंने इस क्षेत्र को आखिर क्या दिया है। हमारी सरकार के समय हमने 15 करोड़ जारी किए थे उसे भी वापस मंगवा लिया गया था। मंडी यूनिवर्सिटी को बंद करने की कोशिश कीगई। ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट का पैसा डायवर्ट कर दिया गया। शिव धाम के प्रोजेक्ट का पैसा डायवर्ट कर दिया गया। मुख्यमंत्री जी ने मण्डी से सुविधाओं और संसाधनों को छीनने की हर कोशिश की। जो छीन सके वह छीना। जयराम ठाकुर ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि अब ठगने की राजनीति का अंत होना चाहिए क्योंकि जनता पूरी तरह जागरूक हो चुकी है। दहौंदी वार्ड में भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में जनसभा करते हुए उन्होंने अपनी प्रतिबद्धता दोहराई कि भविष्य में भाजपा सरकार बनने पर जनता की इच्छा के अनुरूप ही क्षेत्र के सीमांकन और नगर निगम या पंचायत में रहने के मुद्दे पर निर्णय लिया जाएगा।

उन्होंने बेहना वार्ड के घटनाक्रम का जिक्र करते हुए कांग्रेस पर दहौंदी वार्ड में वादाखिलाफी का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा ने जनभावना का सम्मान करते हुए बेहना में अपना नामांकन वापस लिया, लेकिन कांग्रेस की प्रत्याशी ने दहौंदी वार्ड से अंतिम समय में गायब हो गईं, जो उनकी दोहरी राजनीति को दर्शाता है। जयराम ठाकुर ने भिऊली थनेहड़ा और खलियार से रणधीर वार्डों में भी धुआंधार प्रचार किया और जनता से अपील की कि पिछली बार की नाराजगी भूलकर इस बार उन लोगों को सबक सिखाएं जिन्होंने जनता को धोखा दिया और साढ़े तीन साल तक न तो नगर निगम की समस्याओं का समाधान किया और न ही जनभावनाओं का सम्मान किया। उन्होंने पड्डल से प्रत्याशी निर्मल वर्मा और पुरानी मंडी से प्रत्याशी सरिता हांडा, थनेहड़ा से रजनी शर्मा और खलियार से रणधीर सिंह दौंदी की प्रत्याशी रीता के लिए वोट मांगे। इस दौरान उनके साथ पूर्व मंत्री एवं सदर के विधायक अनिल शर्मा, विधायक बल्ह इंद्र सिंह गांधी, विधायक दरंग पूर्ण चंद, भाजपा जिलाध्यक्ष निहाल चंद शर्मा भी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त न्यूज

17 मई को मतदान दिवस पर मतदान केंद्रों के आसपास शस्त्र ले जाने पर प्रतिबंध

बिलासपुर, 14 मई (धर्मपाल/जितेंद्र गौतम) जिला निर्वाचन अधिकारी (नगर निकाय) एवं उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने हिमाचल प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1994 की धारा 304-एन के तहत आदेश जारी करते हुए नगर निकाय सामान्य चुनाव-2026 के दृष्टिगत मतदान दिवस 17 मई 2026 को जिला बिलासपुर के सभी मतदान केंद्रों के आसपास किसी भी प्रकार के हथियार लेकर जाने को प्रतिबंधित किया है। इस संबंध में जारी आदेशानुसार मतदान दिवस पर रिटर्निंग अधिकारी, प्रिजाइडिंग अधिकारी, ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारी तथा मतदान केंद्रों पर कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए अधिकृत कर्मचारियों को छोड़कर कोई भी व्यक्ति आर्म्स एक्ट, 1959 के अंतर्गत परिभाषित किसी भी प्रकार के हथियार के साथ मतदान केंद्रों के आसपास जाने को प्रतिबंधित किया गया है।

जारी आदेश में उपायुक्त ने कहा कि आदेश की अवहेलना करने पर संबंधित व्यक्ति को दो वर्ष तक के कारावास अथवा जुर्माना या दोनों सजाओं से दंडित किया जा सकता है।

श्री ओरोबिंदो पब्लिक स्कूल बद्दी का कक्षा 12वीं का सी बी एस ई परीक्षा परिणाम इस बार भी उत्कृष्ट

बद्दी, 14 मई (तारा) – सी बी एस ई कक्षा 12 वीं के परीक्षा परिणाम में श्री ओरोबिंदो पब्लिक स्कूल बद्दी ने हर साल की तरह इस बार भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कीर्तिमान स्थापित किया है। विद्यालय के कुल 99 छात्रों में से सभी छात्र शानदार अंक प्राप्त करके उत्तीर्ण हुए। विद्यालय के छात्र अभिमन्यु भारद्वाज ने 97.2 % अंक प्राप्त करके प्रथम स्थान, अनवी 96.4 प्रतिशत अंक प्राप्त करके द्वितीय स्थान, साक्षी कश्यप 96.2% अंक प्राप्त करके तृतीय स्थान, दीया 96 त्नअंक प्राप्त करके चौथे स्थान एवं तेजस माथुर 95 % अंक प्राप्त करके पांचवें स्थान हासिल किया हैं। इस वर्ष विद्यालय के कुल 99 छात्रों ने कक्षा बारहवीं की परीक्षा दी थी जिसमें 14 छात्रों ने 90% से ऊपर अंक प्राप्त करके विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। विद्यालय के छात्र ध्रुव मित्तल ने कंप्यूटर में 100 अंक, दीया ने पॉलिटिकल साइंस में 100 अंक, तेजस माथुर ने अर्थशास्त्र में 99 अंक, अभिमन्यु भारद्वाज ने फिजिकल एजुकेशन एवं इतिहास में 99 अंक, शौर्य पटियाल ने फिजिकल एजुकेशन में 99 अंक, अन्वी ने बिजनेस स्टडीज में 98 अंक, ध्रुव मित्तल ने अकाउंटेंसी में 98 अंक, अरिंदम एवं अक्षत भारतीया ने इंग्लिश में 97 अंक प्राप्त करके विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। विद्यालय के डायरेक्टर सर कर्नल के.जे.एस. रंधावा एवं प्रधानाचार्य अनिला नायर ने छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

अभिमन्यु भारद्वाज ने 97 प्रतिशत अंक लेकर प्राप्त किया पहला स्थान

हिमाचल का 'एंटी चिट्टा मॉडल' बना देशभर में चर्चा का विषय

» प्रथम न्यूज । शिमला
14 मई (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश सरकार का 'एंटी चिट्टा मॉडल' अब राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बन गया है। प्रदेश में नशा तस्करी और चिट्टा कारोबार पर सख्त कार्रवाई के चलते इस मॉडल की प्रभावशीलता को देखते हुए नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) के रीजनल ऑफिस ने हिमाचल प्रदेश सरकार से इसकी विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

बताया जा रहा है कि इस मॉडल का अध्ययन करने के बाद इसे अन्य राज्यों में भी लागू करने पर विचार किया जा सकता है, ताकि चिट्टा तस्करी और नशा नेटवर्क पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने चिट्टा समस्या से निपटने के लिए व्यापक रणनीति तैयार करने के निर्देश दिए थे।

इस योजना के तहत केवल नशा तस्करों ही नहीं, बल्कि पंचायत स्तर तक चिट्टा प्रभावित क्षेत्रों की मैपिंग की गई। हिमाचल प्रदेश देश का पहला राज्य बना, जहां पंचायतों को चिट्टा प्रभाव के आधार पर रेड, येलो और ग्रीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया।

सरकारी सर्वे के अनुसार प्रदेश की 234 पंचायतें सबसे अधिक प्रभावित पाई गईं, जिन्हें रेड श्रेणी में रखा गया है। इन क्षेत्रों में पुलिस निगरानी बढ़ाने के बाद सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं।

PIT-NDPS एक्ट के तहत 174 अपराधी हिरासत में – प्रदेश सरकार ने एंटी चिट्टा अभियान के तहत PIT-NDPS एक्ट लागू करते हुए 174 अपराधियों को हिरासत में लिया है। इस प्रकार की बड़ी कार्रवाई करने वाला हिमाचल प्रदेश देश में अग्रणी राज्यों में शामिल हुआ है। इसके अलावा नशा तस्करों की करीब 51 करोड़ रुपये की अवैध संपत्तियां जब्त की गई हैं, जो पहले की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक बताई जा रही हैं। सरकार द्वारा 700 से अधिक मामलों की जांच की गई, जिनमें से लगभग 300 मामलों में आर्थिक जांच और संपत्ति जब्ती की कार्रवाई उपयुक्त पाई गई।

नशा पीड़ितों के पुनर्वास पर भी विशेष फोकस – हिमाचल सरकार केवल कार्रवाई तक सीमित नहीं है, बल्कि नशे की चपेट में आए युवाओं के पुनर्वास पर भी विशेष ध्यान दे रही है। प्रदेश में नशामुक्ति एवं पुनर्वास केंद्रों के मानकीकरण की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इसके अलावा नीति आयोग, एम्स दिल्ली और पीजीआई चंडीगढ़ के सहयोग से सिरमौर जिला के कोटला बड़ोग में आधुनिक पुनर्वास केंद्र स्थापित किया जा रहा है।

जल्द ही शिमला के मशोबरा और कांगड़ा के टांडा मेडिकल कॉलेज में भी नए पुनर्वास केंद्र शुरू किए जाएंगे।

स्कूल-कॉलेजों में चलाया जा रहा ड्रग फ्री अभियान – युवा पीढ़ी को नशे से बचाने के लिए स्कूलों और कॉलेजों में ड्रग फ्री कैंपस अभियान, एंटी ड्रग शपथ और एंटी ड्रग सेल स्थापित किए जा रहे हैं।

सरकार द्वारा शुरू किए गए टोल फ्री नंबर 112 के माध्यम से अभिभावक भी अपने बच्चों को नशे की लत से बाहर निकालने के लिए सहायता मांग रहे हैं।

पंचायत चुनावों के बाद शुरू होगा दूसरा चरण – सरकार का दावा है कि एंटी चिट्टा अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। जहां एक ओर पीड़ितों का पुनर्वास सुनिश्चित किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर नशा तस्करों के नेटवर्क को भी तोड़ा जा रहा है।

तीन दिवसीय फील्ड ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल समापन

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
14 मई (जितेंद्र गौतम)

जिला बिलासपुर में जनगणना 2027 के प्रथम चरण 'गृह सूचीकरण कार्य' के सफल संचालन के लिए आयोजित फील्ड ट्रेनर की तीन दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ। उपायुक्त राहुल कुमार ने बतौर मुख्य अतिथि शामिल होकर कार्यशाला का औपचारिक समापन किया।

इस अवसर पर उपायुक्त ने प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले सभी फील्ड ट्रेनरों को आगामी जनगणना से जुड़े कार्यों के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी जनगणना एवं संबंधित कार्यों के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। साथ ही निर्देश दिए कि समस्त संबंधित तहसील कार्यालयों में आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों को गंभीरता एवं पूर्ण जिम्मेदारी के साथ संपन्न किया जाए।

उपायुक्त ने कार्यशाला के दौरान स्व-गणना कार्यक्रम के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने बताया कि स्व-गणना कार्यक्रम 1 जून से 15 जून 2026 तक आयोजित किया जाना प्रस्तावित है। इसके उपरांत 16 जून से 15 जुलाई 2026 तक गणना कार्य संपन्न किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समयानुसार एवं प्रभावी ढंग से पूर्ण किए जाएं। इस अवसर पर जिला राजस्व अधिकारी नीलाक्ष शर्मा, जिला अनुसंधान अधिकारी ललित शर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सांसद मोबाइल स्वास्थ्य सेवा ने गांव व ग्राम पंचायत झलेडा में जांचा 83 लोगों का स्वास्थ्य

» प्रथम न्यूज । बंगाणा
14 मई (जोगिंद्र देव आर्य)

हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर के मार्गदर्शन मे संचालित अस्पताल - सांसद मोबाइल स्वास्थ्य सेवा टीम (रितु, सेज़ल,शेखर) ने विधानसभा क्षेत्र कुटलैहड़ के ग्राम पंचायत व गाँव झलेडा में डॉ अंशु के नेतृत्व में स्थानीय जनता के स्वास्थ्य की जांच के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया । स्वास्थ्य शिविर मे 83 लोगों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच व 34 लोगों की रक्तजांच की गई ।

स्वास्थ्य जांच में 18 मरीज़ उच्च रक्तचाप, 13 मधुमेह, गायनी के 04, 19 मरीज़ हड्डियों के रोग व 29 मरीज़ अन्य बीमारियों से ग्रसित पाएं गए ।

मरीजों को उपचार सलाह एवं दवाईयों का वितरण भी टीम द्वारा निःशुल्क किया गया। स्थानीय लोगों ने इस निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर के लिए डॉक्टरों की टीम,प्रयास संस्था व विशेषकर सांसद अनुराग ठाकुर का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद किया ।

लघु उद्योग भारती बद्दी इकाई ने मनाया 33वां स्थापना दिवस

स्कूल को इकाई ने इक्यावन हजार रुपये की सहयोग राशि देने की घोषणा की

» प्रथम न्यूज । नालागढ़
14 मई (गुरजीत सिंह)

लघु उद्योग भारती बद्दी इकाई ने 33वां स्थापना दिवस सरस्वती विद्या मंदिर, गुल्लरवाला, बद्दी के प्रागण में पाठशाला के बच्चों व शिक्षकों के मध्य में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता बद्दी इकाई के अध्यक्ष राजीव चौहान ने की। कार्यक्रम में प्रदेश प्रभारी लघु उद्योग भारती डा. विक्रम बिन्दल मुख्य वक्ता रहे। प्रदेश अध्यक्ष अखिल मोहन मुख्यअतिथि रहे। कार्यक्रम का संचालन महासचिव नरेन्द्र खन्ना ने किया। कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन के उपरांत डा विक्रम बिंदल ने विद्यार्थियों व शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि लघु उद्योग भारती की स्थापना 25 अप्रैल,1994 को भारतवर्ष के स्वर्णिम युग को सूक्ष्म व लघु उद्योग के माध्यम से दुबारा से स्थापित करने हेतु की गई, लघु व सूक्ष्म उद्योग ही भारत को आत्मनिर्भर व सशक्त बनाने की क्षमता रखते है, एम.एस.एम.ई. के उद्योगपति नौकरियों का सृजन करते है और देशवासियों को रोज़गार प्रदान करने के साथ ही देश के आर्थिक विकास में योगदान देते है। उन्होने कहा आज देश को रोज़गार देने वाले युवाओं की अधिक जरूरत हैं ।

अखिल जी ने बताया की लघु उद्योग भारती के सारे भारत वर्ष में लगभग 65000 सदस्य है, यह हर राज्य व लगभग हर जिले में स्थापित है। राजीव चौहान ने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वह विद्या के साथ साथ खेलों में भी हिस्सा लें, खेलों के माध्यम से शरीर व बुद्धि दोनों का विकास होता है आप सभी उद्योगों में जायें व वहां की कार्यप्रणाली देखें और अपने अनुभव के आधार पर बड़े होकर उद्योग लगाकर आगे बढ़ें । राजीव ने लघु उद्योग भारती, बद्दी की ओर से सरस्वती विद्या मंदिर को 51000 रुपये का सहयोग राशि देने की घोषणा की। नरेन्द्र खन्ना ने सरस्वती विद्या मंदिर की प्रबन्धक समिति व आये हुए उद्योगपतियों का सहयोग के लिए धन्यवाद किया।

इस कार्यक्रम में स्कूल प्रधानाचार्य अंजू पटियाल, डा विक्रम बिंदल, अखिल मोहन अग्रवाल , बद्दी इकाई के प्रधान राजीव चौहान, नरेंद्र खन्ना, विनोद खन्ना,सीता राम चौधरी,विनोद खन्ना,कुलदीप चौहान, संजीव सिंह, हेमंत कौशल, राजिंदर प्रताप, राज कुमार,कपिल शर्मा, डॉ प्रताप मोहन, शशि भूषण मिश्रा सहित अन्य मौजूद रहे।

युवाओं को भारतीय सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रेरित करेंगे पीवीसी कैप्टन संजय कुमार : उपायुक्त

जिला प्रशासन के साथ बैठक कर पीवीसी संजय कुमार ने व्यापक कार्य योजना पर किया विचार विमर्श

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
14 मई (जितेंद्र गौतम)

जिला बिलासपुर निवासी कारगिल योद्धा तथा परमवीर चक्र से सम्मानित कैप्टन संजय कुमार प्रदेश के युवाओं को भारतीय सशस्त्र बलों में भर्ती होने के लिए प्रेरित एवं प्रोत्साहित करेंगे। इसी उद्देश्य को लेकर कैप्टन संजय कुमार ने आज जिला प्रशासन, शिक्षा तथा सैनिक कल्याण विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर एक व्यापक कार्य योजना पर विस्तृत विचार विमर्श किया। पीवीसी कैप्टन संजय कुमार आगामी दिनों में जिला बिलासपुर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में युवाओं के साथ संवाद स्थापित कर उन्हें भारतीय सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रेरित करने का कार्य करेंगे।

इस संबंध में उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने बताया कि कैप्टन संजय कुमार जिला बिलासपुर के विभिन्न महाविद्यालयों, वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों सहित अन्य शैक्षणिक संस्थानों में जाकर विद्यार्थियों के साथ संवाद स्थापित करेंगे तथा उन्हें भारतीय सेना सहित सशस्त्र बलों में करियर बनाने के लिए प्रेरित करेंगे। उनका व्यापक अनुभव, देशभक्ति की भावना तथा संघर्षपूर्ण जीवन यात्रा युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

उन्होंने कहा कि परमवीर चक्र जैसे सर्वोच्च वीरता पुरस्कार से सम्मानित सैनिक का मार्गदर्शन विद्यार्थियों में देशसेवा के प्रति उत्साह और समर्पण की भावना विकसित करने के साथ-साथ युवाओं को अनुशासन, राष्ट्र सेवा और नेतृत्व क्षमता की ओर भी प्रेरित करने का कार्य करेगा।

जिला बिलासपुर निवासी कैप्टन संजय कुमार कारगिल युद्ध के दौरान अपने अदम्य साहस और वीरता के लिए पूरे देश में विशेष पहचान रखते हैं। उन्होंने विषम परिस्थितियों में असाधारण पराक्रम का परिचय देकर भारतीय सेना का गौरव बढ़ाया तथा उन्हें सर्वोच्च वीरता पुरस्कार परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया है। पीवीसी कैप्टन संजय कुमार की प्रेरणादायक जीवन गाथा युवाओं को कठिन परिस्थितियों में भी लक्ष्य प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयास करने की सीख देगी तथा उन्हें देश सेवा के प्रति भारतीय सशस्त्र बलों का हिस्सा बनने को प्रोत्साहित करेगी। बैठक में पीवीसी कैप्टन संजय कुमार के अतिरिक्त एडीसी ओम कांत ठाकुर, सहायक आयुक्त राजकुमार, उप निदेशक सैनिक कल्याण स्क्वाड्रन लीडर मनोज राणा तथा शिक्षा विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे।

नगर निकाय चुनाव के मद्देनजर बिलासपुर जिला के मतदान क्षेत्रों में ड्राई डे घोषित

मतदान समाप्ति से 48 घंटे पूर्व शराब की बिक्री, वितरण एवं परोसने पर रहेगा पूर्ण प्रतिबंध

बिलासपुर,(जितेंद्र गौतम)– जिला निर्वाचन अधिकारी (नगर निकाय) एवं उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने नगर निकाय चुनाव-2026 के दृष्टिगत जिला बिलासपुर के मतदान क्षेत्रों में ड्राई डे घोषित करने के आदेश जारी किए हैं। यह आदेश हिमाचल प्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1994 की धारा 304-आर के तहत जारी किए गए हैं।

उपायुक्त ने जारी आदेश में बताया कि जिला बिलासपुर में नगर निकायों के आम चुनाव 17 मई 2026 को आयोजित किए जाएंगे तथा मतदान समाप्ति के तुरंत बाद संबंधित नगर निकाय मुख्यालयों में मतगणना की प्रक्रिया संपन्न होगी। चुनाव प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवाने के उद्देश्य से मतदान समाप्ति के निर्धारित समय से पूर्व 48 घंटे की अवधि के दौरान सभी प्रकार की मादक एवं नशीली वस्तुओं की बिक्री, वितरण तथा परोसने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

उन्होंने कहा कि उक्त अवधि के दौरान किसी भी होटल, रेस्टोरेंट, बार, ढाबा, कैटरिंग हाउस, शराब के ठेके अथवा किसी भी सार्वजनिक एवं निजी स्थान पर शराब या अन्य समान प्रकृति के मादक पदार्थों की बिक्री, वितरण अथवा परोसने की अनुमति नहीं होगी। यह आदेश संबंधित सभी मतदान क्षेत्रों में प्रभावी रहेंगे।

जारी आदेश में उपायुक्त ने स्पष्ट किया है कि आदेश का उल्लंघन करने पर संबंधित व्यक्ति को छह माह तक के कारावास, दो हजार रुपए तक के जुर्माने अथवा दोनों से दंडित किया जा सकता है।

मुंबई ने धर्मशाला में लगाया जीत का तिलक, 5 हार के बाद पंजाब किंग्स की मुश्किलें बढ़ीं

तिलक वर्मा की नाबाद 75 रनों की पारी की बदौलत मुंबई इंडियंस ने गुरुवार को धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में पंजाब किंग्स को 6 विकेट से मात दी। शार्दुल ठाकुर की शानदार गेंदबाजी के चलते पंजाब किंग्स बेहतर शुरुआत के बावजूद 200 रन ही बना सकी।

201 रन के टारगेट को मुंबई ने 1 गेंद पहले चेज कर लिया। पंजाब किंग्स की यह लगातार 5वीं हार है। ऐसे में टीम की प्लेऑफ की मुश्किलें बढ़ गई हैं। पंजाब ने 12 में से 6 मैच जीते हैं। वहीं मुंबई पहले ही प्लेऑफ की रेस से बाहर हो चुकी है।

शार्दुल ने की कमाल की गेंदबाजी

मुंबई की ओर से शार्दुल ने चार ओवर में 39 रन देकर टीम के लिए महत्वपूर्ण चार विकेट झटके। उन्होंने प्रभसिमरन, श्रेयस अय्यर, सूर्यांश और मार्को जेनसेन को पवेलिन भेजा। शार्दुल ने 11वें ओवर में दो विकेट और 13वें तथा 16वें ओवर में एक-एक विकेट लेकर पंजाब को डबल सेंचुरी पर रोक दिया।

पंजाब किंग्स की ओर से प्रभसिमरन सिंह ने फिफ्टी लगाई। अंत में अजमतुल्लाह उमरजई ने 38 रन की तूफानी पारी खेली। मुंबई के कप्तान जसप्रीत बुमराह ने पंजाब के विरुद्ध सात गेंदबाजों को मौका दिया। दीपक को दो और कार्विन व बाबा सहित बुमराह को एक-एक विकेट मिला।

इससे पहले, प्रियांश और प्रभसिमरन ने पंजाब को अच्छी शुरुआत दी। प्रियांश और प्रभसिमरन के बीच 50 रन की साझेदारी हुई, जबकि प्रभसिमरन की कनोली के साथ 57 रन की साझेदारी भी महत्वपूर्ण रही। उमरजाई ने 17 गेंदों में 38 रन का योगदान दिया, जिसमें उनके चार छक्के शामिल हैं। इस प्रकार, पंजाब ने नौ विकेट के नुकसान पर 200 रन बनाए।

पावरप्ले में पंजाब ने बनाए 55 रन

मुंबई ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला लिया। पावर प्ले में छह ओवर में पंजाब ने एक विकेट के नुकसान पर 55 रन बनाए। दीपक चाहर ने प्रियांश आर्य को छठे ओवर की तीसरी गेंद में बोल्ड कर दिया। प्रियांश ने टीम के लिए 22 रन बनाए, जिसमें उनके चार चौके भी शामिल हैं। दीपक चाहर की पहले ओवर की दूसरी गेंद में प्रियांश आर्य ने चौका जड़कर टीम का खाता खोला। पहले ओवर में टीम के लिए सात रन आए।

नमन ने प्रभसिमरन का छोड़ा कैच

दूसरे ओवर में बुमराह खुद गेंदबाजी करने उतरे। तीसरी गेंद में प्रभसिमरन का कैच स्लिप पर नमन धीर से छूटा और उन्हें जीवनदान मिला। चौथी ही गेंद में उन्होंने चौका जड़ दिया। शार्दुल की गेंद पर प्रभसिमरन को 57 रन पर कार्विन ने कैच आउट किया। इसके बाद पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर को शार्दुल ठाकुर ने बोल्ड कर एक और बड़ा झटका दिया। कोनोली को गेंदबाज राज अंगद बावा ने बोल्ड कर पवेलिन भेजा।

प्रभसिमरन को छोड़कर पंजाब का कोई भी बल्लेबाज प्रभावित नहीं कर सका। प्रभसिमरन ने सबसे अधिक चार छक्के मैदान के चारों तरफ लगाए। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस टीम बेशक प्लेऑफ की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकी है, लेकिन धर्मशाला में पंजाब किंग्स के साथ मैच में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर विश्वास जताते हुए टीम प्रबंधन ने बुमराह को कप्तान बनाया है।

फिफ्टी से चूके रियान

201 रन चेज करने उतरी मुंबई को रोहित शर्मा और रियान रिकल्टन ने तेज शुरुआत दी। दोनों ने 39 गेंदों पर 61 रन जोड़े। फिफ्टी की करीब पहुंचकर रियान कैच आउट हो गए। उन्होंने 23 गेंदों पर 48 रन जड़े। रोहित ने 26 गेंदों पर 25 रन की धीमी पारी खेली। नमन धीर (9) बल्ले से फेल रहे। इसके बाद तिलक वर्मा ने पहले शेरफेन रदरफोर्ड (20) फिर विल जैक्स (25) के साथ पारी को संभाला और मुंबई को जीत दिला दी। तिलक 33 गेंदों पर 75 रन बनाकर नाबाद रहे।

अर्शदीप सिंह की शर्मनाक हरकत, तिलक वर्मा पर कमेंट कर बुरी तरह फंसे तेज गेंदबाज; फैंस ने लगाई जमकर फटकार

तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह विवादों में फंसते हुए नजर आ रहे हैं। अर्शदीप ने तिलक वर्मा को कुछ ऐसा कहा है, जिसकी वजह से बवाल मच गया है। अर्शदीप का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वे तिलक को अंधेरा कह देते हैं। इस वीडियो में नमन धीर भी हैं, जिसमें सिंह उन्हें पंजाब का असली नूर करार देते हैं। अर्शदीप की ये टिप्पणी बहस में बदल गई है और फैंस भी उन्हें लताड़ लगाई है। अर्शदीप पर रंगभेद करने का आरोप लगाया जा रहा है। तेज गेंदबाज अपने मजाकिया अंदाज के लिए मशहूर हैं। वे ऐसे कई वीडियो बनाते हैं, जिसमें साथी खिलाड़ियों से मजाक करते हैं। हालांकि, इस बार उनको मजाक करना भारी पड़ गया है। उनके खिलाफ सोशल मीडिया पर फैंस लिख रहे हैं। कुछ फैंस इसे शर्मनाक बता रहे हैं, तो कुछ इसे अर्शदीप की शर्मनाक हरकत बता रहे हैं।

अर्शदीप सिंह ने की तिलक वर्मा पर टिप्पणी

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिसमें अर्शदीप सिंह तिलक को कहते हैं ओये अंधेरे। तिलक को ये शब्द उनके रंग की वजह से कहा गया। इसके अलावा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने नमन धीर को पंजाब का असली नूर बताया। अर्शदीप उन्हें सलाह भी देते हैं कि वे सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें। हालांकि, पहले तिलक को समझ में नहीं आता है लेकिन नमन धीर ने उन्हें इसका मतलबा समझाया, तो उन्होंने जवाब दिया कि वे सनस्क्रीन का इस्तेमाल करते हैं।

वीडियो सामने आने के बाद फैंस अर्शदीप पर जमकर अपना गुस्सा निकाला है। यूजर्स अर्शदीप को लताड़ लगा रहे हैं और उनकी इस हरकत को शर्मनाक बता रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, ये अर्शदीप सिंह की शर्मनाक हरकत है। वे हर स्टोरी में पंजाब शब्द का इस्तेमाल करते हैं फिर भी उन्हें डिफेंड किया जाता है। ये तिलक वर्मा की बेइज्जती है। एक अन्य यूजर ने लिखा, अर्शदीप ने जिन शब्दों का इस्तेमाल किया है, उससे तिलक असहज दिखाई दे रहे हैं। ये मजाक नहीं है बल्कि रंगभेद किया जा रहा है।

अर्शदीप सिंह का आईपीएल 2026 में प्रदर्शन

आईपीएल 2026 में अर्शदीप सिंह का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है। वे काफी महंगे साबित हुए हैं और इसी वजह से पंजाब की टीम दूसरे चरण में संघर्ष कर रही है। अर्शदीप ने 11 मैच खेले हैं और 13 विकेट अपने नाम किए हैं।

हिमाचल में काफिलों पर कटौती का असर

राज्यपाल के फैसले का सीएम सुक्खू ने किया स्वागत

मंडी (नरेंद्र भारती)- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान के बाद हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता की ओर से अपने काफिले में कटौती करने के निर्णय का मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने स्वागत किया है। नगर निगम मंडी के चुनाव में प्रचार के लिए पहुंचे मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि राज्यपाल का निर्णय स्वागत योग्य है।

उन्होंने कहा कि हमने पहले ही वित्तीय कटौतियां कर रखी हैं। मंत्रियों के वेतन 30 प्रतिशत और विधायकों की 20 प्रतिशत कटौती हुई है। इसके अलावा काफिलों में कटौती के आदेश दिए जा चुके हैं और कई काफिले कम भी हुए हैं।

वहीं देर रात को निजी होटल में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने राज्यपाल के कदम को स्वागत योग्य करार दिया।

मंत्री ने पीएम की अपील पर उठाए सवाल

राज्यपाल के लोकभवन का फ्यूल कंजर्वेशन जोन घोषित किए जाने के बाद सुक्खू सरकार के मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने पीएम मोदी की अपील पर सवाल उठाए थे। संसदीय कार्यमंत्री हर्षवर्धन चौहान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ईंधन संकट पर अपील पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जब देश का प्रधानमंत्री इस तरह की बातें करता है, तो यह संकेत देता है कि हालात सामान्य नहीं हैं। डालर के मुकाबले रुपये की गिरावट का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह आर्थिक संकट का संकेत है। उन्होंने केंद्र की विदेश नीति को भी विफल बताते हुए कहा कि देश आर्थिक संकट की ओर बढ़ सकता है।

पंजाब सरकार सेना के साथ सहयोग करने के लिए वचनबद्ध : मान

राष्ट्रीय महत्व के कई मुद्दों पर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
14 मई (एएम नाथ)

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज पश्चिमी कमान के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्रा सिंह से मुलाकात के दौरान पंजाब में मजबूत सिविल-मिलिट्री तालमेल की आवश्यकता पर जोर दिया, जिसमें दोनों पक्षों ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सीमावर्ती राज्य पंजाब में सीमा प्रबंधन, आंतरिक सुरक्षा, राहत कार्यों और ऑपरेशनल तैयारियों के बारे में तालमेल मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। चंडीगढ़ में हुई इस बैठक में सीमावर्ती क्षेत्रों में चल रहे प्रोजेक्टों में तेजी लाने और उभरती सुरक्षा एवं अन्य चुनौतियों से निपटने के लिए समन्वित ढांचा विकसित करने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया।

लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह द्वारा पश्चिमी सेना की कमान संभालने के बाद आर्मी कमांडर और मुख्यमंत्री के बीच पहली मुलाकात के दौरान राष्ट्रीय महत्व के कई मुद्दों पर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया। दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हुए कि सीमावर्ती क्षेत्रों में चल रहे सभी प्रोजेक्टों को पूरा करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि ऑपरेशनल क्षमता को और बढ़ाया जा सके और राष्ट्रीय सुरक्षा बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा सके।

पंजाब के रणनीतिक महत्व पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब एक सीमावर्ती राज्य है, जिसकी लगभग 550 किलोमीटर अंतरराष्ट्रीय सीमा है और इसलिए इस क्षेत्र में सिविल-मिलिट्री सहयोग को और मजबूत करना बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने समन्वय आधारित नीति निर्माण और मजबूत आंतरिक सुरक्षा तंत्र के माध्यम से विश्वास बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने प्राकृतिक आपदाओं, बाहरी खतरों और अन्य संकटों का प्रभावी ढंग से जवाब देने के लिए मजबूत रणनीति विकसित करने के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि सिविल प्रशासन और सशस्त्र सेनाओं के बीच मजबूत सहयोग राष्ट्रीय हितों की रक्षा और आपात स्थिति के दौरान त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है। बैठक में सीमा प्रबंधन, आंतरिक सुरक्षा, युवा सशक्तिकरण, अग्निवीरों के पुनर्वास और ऑपरेशनल तैयारी से जुड़े महत्वपूर्ण भूमि अधिग्रहण मामलों पर भी विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया। राहत कार्यों, सशस्त्र सेनाओं में भर्ती और सेवा दे रहे सेना के कर्मियों तथा पूर्व सैनिकों के लिए आवासीय प्रोजेक्टों सहित कल्याणकारी कदमों पर भी चर्चा की गई।

सशस्त्र सेनाओं का सहयोग करने के लिए पंजाब सरकार की वचनबद्धता दोहराते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह को भारतीय सेना द्वारा देश की सेवा में की जाने वाली हर पहल के लिए राज्य की ओर से पूरा सहयोग देने का भरोसा दिया।

बैठक के दौरान मुख्य सचिव के . ए . पी . सिन्हा, ब्रिगेडियर समीर ठक्कर, कर्नल जसदीप संधू, मुख्यालय पश्चिमी कमान के सिविल-मिलिट्री मामलों के सलाहकार और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

ओमान के पास भारतीय जहाज पर हमला

भारत सरकार ने कहा, यह स्वीकार्य नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)- मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच एक भारतीय जहाज पर हमला हुआ है। ओमान के तट के पास भारतीय जहाज को निशाना बनाया गया। राहत की खबर ये है कि हमले के वक्त जहाज पर मौजूद सभी भारतीय क्रू सदस्य सुरक्षित बताए जा रहे हैं। जानकारी दी जा रही है कि हमले के बाद जहाज के क्रू सदस्यों को बचाने के लिए ओमान के अधिकारियों ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया।

इधर भारत ने इस मदद के लिए ओमान का आभार व्यक्त किया है, साथ ही आधिकारिक तौर से हमले पर कड़ा बयान भी सरकार की ओर से जारी किया गया है। हालांकि भारत सरकार के बयान में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि भारतीय जहाज पर हमला किस ओर से हुआ? फिलहाल इस हमले के बाद एक बार फिर भारतीय जहाजों और नाविकों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं और चिंताजनक स्थिति बन गई है। भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफार्म ङ्क पर पोस्ट कर कहा गया है, कल ओमान के तट के पास भारतीय ध्वज वाले जहाज़ पर हुआ हमला अस्वीकार्य है, और हम इस बात की निंदा करते हैं कि व्यापारिक जहाज़ों और नाविकों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। जहाज़ पर मौजूद सभी भारतीय क्रू सदस्य सुरक्षित हैं, और हम उन्हें बचाने के लिए ओमान के अधिकारियों का धन्यवाद करते हैं।

बयान में आगे कहा गया, भारत फिर से यह दोहराता है कि व्यापारिक जहाज़ों को निशाना बनाने, निर्दोष नागरिक क्रू सदस्यों की जान जोखिम में डालने, या किसी भी तरह से नेविगेशन और व्यापार की स्वतंत्रता में बाधा डालने से बचना चाहिए।

फिर होगी झमाझम बारिश, यूपी से पंजाब-हरियाणा तक बादल छाएंगे

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
14 मई (ब्यूरो)

पूरे उत्तर भारत में मौसम लगातार करवटें बदल रहा है। हिमालय में पश्चिमी विक्षोभ के कारण आज भी पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ जैसे कई इलाकों में बारिश आने का अनुमान है। उत्तर प्रदेश में भी कई जगहों पर बरसात होने का अलर्ट है। राजस्थान में भी बारिश हो सकती है। पिछले दो दिनों से दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम से लेकर चंडीगढ़ तक हल्की से मध्यम बारिश देखने को मिल रही है। गाजियाबाद, नोएडा में बुधवार शाम को भी बादलों की तेज गड़गड़ाहट के बीच बारिश हुई और बिजली चमकी। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर प्रदेश में 13 के बाद 14 मई को भी आंधी, तूफान के साथ बारिश का अलर्ट पूर्वांचल के इलाके में है।

दिल्ली में आज भी आंशिक तौर पर बादल छाए रहेंगे। कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश देखने को मिल सकती है। इस दौरान बादलों की गरज और बिजली की चमक के साथ तेज हवाएं चलने का भी अनुमान है। कई जगहों पर आंधी भी आ सकती है।

दिल्ली सरकार का बड़ा फैसला ; सप्ताह में दो दिन वर्क फ्रॉम होम लागू

सीएम रेखा गुप्ता ने घटाया काफिला, सरकारी खर्चों में कटौती, मेट्रो उपयोग बढ़ाने और ईंधन बचत पर दिल्ली सरकार का जोर

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
14 मई (एएम नाथ)

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में दिल्ली सरकार ने प्रशासनिक खर्चों में कटौती, ईंधन बचत और प्रदूषण नियंत्रण को लेकर कई बड़े फैसले किए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद मुख्यमंत्री ने मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर नई कार्य व्यवस्था लागू करने का ऐलान किया। सरकार ने निर्णय लिया है कि दिल्ली के सभी सरकारी कार्यालयों में सप्ताह में दो दिन वर्क फ्रॉम होम लागू किया जाएगा। साथ ही निजी कंपनियों से भी कर्मचारियों को सप्ताह में दो दिन घर से काम करने की सुविधा देने की अपील की गई है।

बैठक में सरकारी खर्चों और ईंधन खपत को कम करने पर विशेष जोर दिया गया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने काफिले में 60 प्रतिशत तक कटौती कर दी है। अब उनके काफिले में केवल चार गाड़ियां रहेंगी, जिनमें दो इलेक्ट्रिक वाहन शामिल हैं। मंत्रियों के वाहनों की संख्या और ईंधन सीमा में भी कमी की गई है। पहले जहां 200 लीटर पेट्रोल की सीमा तय थी, उसे घटाकर 160 लीटर कर दिया गया है, जबकि 250 लीटर की सीमा अब 200 लीटर कर दी गई है।

दिल्ली सरकार ने कार्यालयों के समय में भी बदलाव किया है। अब दिल्ली सरकार के दफ्तर सुबह 10:30 बजे से शाम 7 बजे तक खुलेंगे, जबकि नगर निगम कार्यालय सुबह 8:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक कार्य करेंगे। अधिकारियों और कर्मचारियों से हर सोमवार अधिक से अधिक मेट्रो का उपयोग करने को कहा गया है। साथ ही, सरकार ने यह भी तय किया है कि लगभग 50 प्रतिशत सरकारी बैठकें अब ऑनलाइन आयोजित की जाएंगी ताकि अनावश्यक यात्रा को कम किया जा सके।

इसके अलावा दिल्ली सरकार ने अगले एक वर्ष तक विदेश यात्राओं पर रोक लगाने और अगले छह महीने तक कोई नया सरकारी वाहन नहीं खरीदने का फैसला किया है। जनता से भी सप्ताह में एक दिन निजी वाहन का उपयोग न करने की अपील की गई है। वहीं, 29 कॉलोनियों को नजदीकी मेट्रो स्टेशनों से जोड़ने के लिए 58 बसों का विशेष रूट तैयार किया गया है, जिससे लोगों को सार्वजनिक परिवहन का बेहतर विकल्प मिल सकेगा।

धर्म के नाम पर राजनीति नहीं करनी चाहिए : मोहिंदर भगत

» प्रथम न्यूज । जालंधर
14 मई (डोगरा)

पंजाब के बागवानी, स्वतंत्रता सेनानी और रक्षा सेवाएं भलाई मंत्री मोहिंदर भगत ने आज शहर में एक धार्मिक समागम के मुद्दे को राजनीतिक रंग देने की निंदा करते हुए कहा कि किसी को भी धर्म के नाम पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। यहां सर्किट हाउस में पंजाब के पर्यटन और सांस्कृतिक मामलों के विभाग के सलाहकार दीपक बाली, मेयर विनीत धीर तथा अन्य व्यक्तित्वों के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि पंजाब महान गुरुओं, पीरों और संतों की धरती है और साझीवाली की मिसाल है। उन्होंने कहा कि धर्म के नाम पर फूट डालने की कोशिश करने वालों का धर्म से कोई संबंध नहीं है।

उन्होंने कहा कि किसी भी धर्म को किसी एक पार्टी से जोड़ना छोटी सोच की निशानी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार धर्म के नाम पर पंजाब को बांटने की भाजपा की कोशिशों को सफल नहीं होने देगी।

उन्होंने कहा कि पहली बार परशुराम जयंती भगवंत मान सरकार के कार्यकाल में मनाई गई। इसके अलावा पठानकोट में पहली बार नव संवत राजकीय स्तर का समागम भी करवाया गया। इसके अलावा राज्य सरकार द्वारा श्री राम तीर्थ में करीब 25 करोड़ के कार्य भी शुरू किए जा रहे हैं। उन्होंने लोगों को साईं दास स्कूल जालंधर की ग्राउंड में हो रहे धार्मिक समागम में शामिल होने का निमंत्रण देते हुए कहा कि यह सनातन का समागम है, जिसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया जाए।

सनातन सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय शर्मा ने समिति द्वारा सनातन की सेवा के लिए किए जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने धर्म के नाम पर शहर में फूट डालने की कोशिश की निंदा भी की।

इस मौके पर खादी बोर्ड के चेयरमैन गगनदीप सिंह आहलूवालिया, 'आप' नेता नितिन कोहली, दिनेश ढल्ल, काउंसलर जतिन गुलाटी, पाला जलालपुरिया के अलावा कष्ट निवारण बाला जी मंदिर शेखा बाजार की प्रबंधक कमेटी के पदाधिकारी भी मौजूद थे।

पंजाब शिक्षा क्रांति का असर: 416 सरकारी स्कूलों का 100% परिणाम

12वीं परीक्षा में लड़कियों ने फिर मारी बाजी, टॉपर्स का सम्मान

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
14 मई (एएम नाथ)

पंजाब में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की सरकार द्वारा चलाए जा रहे शिक्षा सुधारों का असर पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड (पीएसईबी) की 12वीं कक्षा के परिणामों में स्पष्ट रूप से दिखाई दिया है। इस वर्ष 416 सरकारी स्कूलों ने 100 प्रतिशत परिणाम दर्ज कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। कुल लगभग 2.65 लाख विद्यार्थियों में से करीब 2.42 लाख विद्यार्थी सफल हुए, जिससे राज्य का कुल पास प्रतिशत लगभग 91.46 प्रतिशत रहा।

नतीजों में एक बार फिर लड़कियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लड़कों को पीछे छोड़ दिया है। लड़कियों का पास प्रतिशत 94.73 प्रतिशत रहा, जबकि लड़कों का पास प्रतिशत 88.52 प्रतिशत दर्ज किया गया। मेरिट सूची में भी लड़कियों का दबदबा कायम रहा। कुल 278 मेधावी विद्यार्थियों में 217 लड़कियां और 61 लड़के शामिल रहे।

पटियाला जिला मेरिट सूची में सबसे आगे रहा, जहां 59 विद्यार्थी शामिल हुए। सरकारी स्कूलों के प्रदर्शन में भी उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। मेरिट सूची में शामिल 122 विद्यार्थी सरकारी स्कूलों से हैं, जो कुल मेरिट का 50 प्रतिशत से अधिक है। यह उपलब्धि सरकारी स्कूलों में किए गए बुनियादी ढांचे के सुधार, स्मार्ट क्लासरूम और शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार का परिणाम माना जा रहा है। अमृतसर जिले ने सबसे अधिक 96 प्रतिशत पास प्रतिशत दर्ज कर राज्य में शीर्ष स्थान हासिल किया।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने मानसा की सुपनीत कौर, लुधियाना की सुहानी चौहान और दिवांशी को 500 में से 500 अंक प्राप्त कर टॉप करने पर विशेष रूप से सम्मानित किया और प्रत्येक को 50,000 रुपए की नकद प्रोत्साहन राशि दी। उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि ये तीनों छात्राएं राष्ट्रीय और राज्य स्तर की खिलाड़ी भी हैं, जो बहुआयामी प्रतिभा का उदाहरण हैं।

मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि बेटियां हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं और यह शिक्षा एवं समाज में सकारात्मक बदलाव का संकेत है। उन्होंने कहा कि सरकार मेधावी छात्रों को हर संभव सहयोग देगी ताकि वे अपने सपनों को पूरा कर सकें। इस अवसर पर वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित रहे।

बिलासपुर के पास मालगाड़ी में लगी आग, रेलवे में हड़कंप

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
14 मई (ब्यूरो)

बिलासपुर। जिले में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब कोयला से भरी एक मालगाड़ी के वैगन में अचानक आग लग गई। घटना गतौरा रेलवे स्टेशन के पास की बताई जा रही है।

आग लगने की सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन और दमकल विभाग में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के मुताबिक मालगाड़ी बिलासपुर की ओर आ रही थी। इसी दौरान एक वैगन से धुआं और आग की लपटें निकलती दिखाई दीं, जिसके बाद तत्काल ट्रेन को गतौरा स्टेशन के पास रोका गया। सूचना मिलते ही दमकल की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुट गई। प्राथमिक तौर पर माना जा रहा है कि भीषण गर्मी के कारण कोयले में आग लगी हो सकती है। हालांकि रेलवे प्रशासन पूरे मामले की जांच में जुट गया है। घटना के चलते कुछ समय तक रेल परिचालन भी प्रभावित होने की जानकारी सामने आई है।फिलहाल आग पर काबू पाने की कोशिश जारी है। किसी तरह की जनहानि की सूचना नहीं है।

एक नज़र

लुधियाना में रेड खत्म, ED ने दस्तावेज और सबूत कब्जे में लिए

जालंधर-लुधियाना के कई व्यापारियों के नाम आए सामने

लुधियाना (ब्यूरो)- लुधियाना में प्रवर्तन निदेशालय (ED) की बड़ी कार्रवाई से कारोबारी जगत में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार, कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा से जुड़े कारोबारियों पर श्वष्ठ ने छापेमारी की है। बुधवार को शुरू हुई यह कार्रवाई गुरुवार शाम तक जारी रही। श्वष्ठ की टीम ने धागा कारोरी हीरा सचदेवा के ग्रीन सिटी स्थित आवास और आरके रोड पर स्थित फैक्ट्री में एक साथ रेड की।

सूत्रों के मुताबिक, पंजाब के कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा से जुड़े कारोबारियों और पार्टनरों के घरों व ठिकानों पर रेड जारी है। लुधियाना में जांच के दौरान श्वष्ठ को कई अहम दस्तावेज, डिजिटल रिकॉर्ड और इलेक्ट्रॉनिक सबूत मिले हैं, जिन्हें कब्जे में लेकर जांच की जा रही है।

कई कारोबारियों के नाम

बताया जा रहा है कि ED रेड के दौरान टीम को शहर के कई अन्य कारोबारियों से जुड़े इनपुट भी मिले हैं। इसके बाद संभावना जताई जा रही है कि आने वाले दिनों में जांच का दायरा और बढ़ सकता है। सूत्र बता रहे हैं कि लुधियाना के साथ साथ जालंधर में कई कारोबारी ईडी की रडार पर हैं। सूत्रों का कहना है कि हीरा सचदेवा का नाम कुछ बेटिंग ऐप से जुड़े पैसों के लेन-देन और उनके मैनेजमेंट में सामने आया है। श्वष्ठ अब बैंक ट्रांजैक्शन, फर्जी कंपनियों और पैसों के फ्लो की गहन जांच कर रही है। एजेंसी इस बात का पता लगाने में जुटी है कि इन लेन-देन में किन-किन लोगों की भूमिका रही है।

जालंधर के कारोबारी भी रडार पर

जानकारी के अनुसार, इससे पहले जालंधर में कारोबारी के ठिकानों पर हुई श्वष्ठ कार्रवाई के दौरान भी हीरा सचदेवा का लिंक सामने आया था। उसी जांच के आधार पर अब लुधियाना में यह बड़ी रेड की गई है।

हालांकि, फिलहाल श्वष्ठ की ओर से मामले में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। लेकिन लगातार चल रही कार्रवाई के बाद शहर के उद्योग और कारोबार जगत में हलचल तेज हो गई है। कारोबारी वर्ग अब आगे होने वाली ED कार्रवाई पर नजर बनाए हुए है।

66 फुटी रोड के प्रोजैक्ट पर नजर

वहीं, जालंधर में 66 फुटी रोड के कई प्रोजैक्ट पर भी ईडी की नजर है। लुधियाना में रेड के दौरान ईडी को जालंधर में कई प्रोजैक्ट की जानकारी मिली है। सूत्र बता रहे हैं कि इसी जानकारी के आधार पर जालंधर में कुछ रिएल एस्टेट कारोबारी व अन्य बिजनेसमैन ईडी की रडार पर आ गए हैं।

कानपुर की चकरपुर सब्जी मंडी में भीषण आग से भारी नुक्सान

कानपुर (सुनील बाजपेई)- गुरुवार दोपहर यहां के सचेंडी स्थित चकरपुर सब्जी मंडी में अचानक भीषण आग लग गई। आग की शुरुआत चबूतरा नंबर-6 स्थित एक आढ़त से हुई और देखते ही देखते उसने पूरे क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया।

इस बीच आग इतनी तेजी से फैली कि करीब 40 से अधिक दुकानें धू-धू कर जलने लगीं। मौके पर मौजूद आढ़तियों ने पहले खुद आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन लपटें बढ़ती देख दुकानों को छोड़कर जान बचाकर भागना पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंच गईं। पहले दो दमकल गाड़ियों को भेजा गया, लेकिन आग की गंभीरता को देखते हुए बाद में आठ फायर टेंडर मौके पर लगाए गए। समाचार लिखे जाने तक दमकल कर्मी लगातार आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं।

श्री गुरु हरगोबिंद पब्लिक स्कूल ने कक्षा 12 के नतीजे घोषित किए

अमृतसर (साहिब दयाल) मिसल शहीदां तरना दल के मार्गदर्शन में संचालित संस्था, श्री गुरु हरगोबिंद पब्लिक स्कूल, मल्लियां के कक्षा 12 के नतीजे इस वर्ष अत्यंत उत्कृष्ट और गौरवपूर्ण रहे। स्कूल का समग्र परिणाम सराहनीय रहा, जिससे स्कूल में खुशी, गर्व और उत्साह का माहौल बन गया। स्कूल के चेयरमैन और शिरोमणि पंथ अकाली श्री मिसल शहीदां तरना दल के 16वें प्रमुख, सिंह साहिब जत्थेदार बाबा जोगा सिंह जी ने सभी छात्रों, अभिभावकों और कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने छात्रों को और अधिक कड़ी मेहनत और लगन के साथ जीवन में नई ऊंचाइयों को छूने के लिए प्रेरित किया।

नतीजों के अनुसार, कॉमर्स स्ट्रीम की छात्रा ऐशमीत कौर ने 96%, साइंस स्ट्रीम की छात्रा ईशालप्रीत कौर ने 90.8%, जगजीत सिंह ने 90.4%और गुरमन्नतबीर सिंह ने 90% अंक प्राप्त कर स्कूल को गौरवान्वित किया। इसके अलावा, आठ छात्रों ने 80% से अधिक, सात छात्रों ने 70% से अधिक और अन्य छात्रों ने 60% से अधिक अंक प्राप्त किए। इस अवसर पर, स्कूल के प्रिंसिपल डॉ. पलविंदरपाल सिंह जी ने अपनी खुशी व्यक्त की और मेधावी छात्रों को सम्मानित कर उन्हें प्रसन्न किया। उन्होंने कहा कि इस शानदार सफलता का श्रेय शिक्षकों की लगन, छात्रों की अथक मेहनत और अभिभावकों के सहयोग को जाता है। उन्होंने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि इन छात्रों ने पंजाबी और आई.टी. विषयों में 100 में से 100 अंक प्राप्त किए हैं। उन्होंने आगे कहा कि स्कूल हमेशा छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध रहेगा और भविष्य में भी इसी तरह के उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करता रहेगा। इस अवसर पर सभी कर्मचारी और छात्र उपस्थित थे।

लिटिल फ्लावर्स मॉडल स्कूल गहरी मंडी का 12वीं कक्षा का परिणाम शानदार रहा

अमृतसर (साहिब दयाल) - पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित लिटिल फ्लावर्स मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, गहरी मंडी, जंडियाला गुरु का परीक्षा परिणाम अत्यंत उत्कृष्ट रहा। मेडिकल, नॉन-मेडिकल, कॉमर्स और आर्ट्स संकाय के कुल 136 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए थे। सभी बच्चों ने बहुत अच्छे अंकों के साथ परीक्षा उत्तीर्ण की। मेडिकल संकाय से हर्षप्रीत सिंह ने 91त्न, हरसिमरनदीप सिंह ने 90त्न और जसप्रीत कौर ने 89त्न अंक प्राप्त किए; कॉमर्स संकाय से तरनवीर सिंह ने 91त्न, मुस्कान जोहल ने 90त्न और गगनदीप कौर ने 87त्न अंक प्राप्त किए; तथा आर्ट्स संकाय से ओंकार सिंह ने 85त्न, विश्वजीत सिंह ने 84त्न और सनम प्रीत सिंह ने 84त्न अंक प्राप्त किए। इस अवसर पर, स्कूल के प्रधानाचार्य विक्रमजीत चौहान ने परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले तथा उत्तीर्ण होने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। स्कूल की प्रबंध निदेशक श्रीमती दविंदर कौर ने भी बच्चों, अभिभावकों और शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि इसी तरह बच्चे और शिक्षक मिलकर हमारे स्कूल का नाम रोशन करते रहें। स्कूल के प्रधानाचार्य विक्रमजीत चौहान और प्रबंध निदेशक श्रीमती दविंदर कौर ने सभी शिक्षकों को भी सम्मानित किया। इस सम्मान समारोह में बलविंदर सिंह, सरदूल सिंह, कुलविंदर कौर, राखी जोशी, सतनाम कौर, राजविंदर कौर, जसकरण सिंह आदि शिक्षक उपस्थित थे।

हिमाचल हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

सलूणी की संघनी पंचायत के 41 फर्जी मतदाताओं के वोट देने पर लगी रोक

» प्रथम न्यूज । सलूणी (चंबा)
14 मई (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय ने निर्वाचन प्रक्रिया की शुद्धता को बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय सुनाया है। कोर्ट ने चंबा जिले के उपमंडल सलूणी की ग्राम पंचायत संघनी के 41 मतदाताओं के चुनाव लड़ने या मतदान करने पर तब तक के लिए रोक लगा दी है, जब तक वे सहायक निर्वाचन अधिकारी (ऋ) के समक्ष अपनी रिहायश का ठोस प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर देते।

यह मामला संघनी निवासी हेम राज चंदेल द्वारा माननीय उच्च न्यायालय में दायर एक याचिका के बाद सामने आया। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया था कि 122 लोग ऐसे हैं जो मूलत: पंजाब, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में रहते हैं, लेकिन उन्होंने संघनी पंचायत की मतदाता सूची में अपने नाम दर्ज करवा रखे हैं। आरोप था कि ये लोग स्थानीय पंचायत, विधानसभा और लोकसभा चुनावों को अवैध रूप से प्रभावित करने के लिए बाहरी राज्यों से आकर मतदान करते हैं।

स्र्डरूकी अध्यक्षता में बनी जांच कमेटी

हाईकोर्ट के कड़े संज्ञान के बाद, एसडीएम सलूणी श्री चंद्रवीर सिंह ने मामले की गहनता से जांच के लिए एक 8 सदस्यीय तथ्य खोज समिति का गठन किया। इस कमेटी की कमान नायब तहसीलदार सलूणी डी.सी. राणा को सौंपी गई।

कमेटी में शामिल मुख्य सदस्य

अध्यक्ष- डी.सी. राणा (नायब तहसीलदार)

सदस्य- दर्शन सिंह (पंचायत निरीक्षक), एसएचओ किहार, खाद्य आपूर्ति निरीक्षक, चुनाव प्रभारी (एसडीएम कार्यालय), संबंधित पंचायत सचिव और दो बूथ लेवल ऑफिसर (BLO)।

3 दिन में तैयार हुई विस्तृत रिपोर्ट

जांच कमेटी ने युद्ध स्तर पर कार्य करते हुए मात्र 3 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट तैयार की। जांच के दौरान कमेटी ने निम्नलिखित दस्तावेजों की बारीकी से पड़ताल की।

परिवार रजिस्टर की नकल और राशन कार्ड।

स्थानीय भूमि जोत के रिकॉर्ड।

पंजाब, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के संबंधित एसडीएम कार्यालयों से क्रॉस-वेरिफिकेशन।

कोर्ट का फैसला और सख्त निर्देश

कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर यह पाया गया कि 122 में से 41 मतदाता नियमों के विरुद्ध पाए गए हैं। एसडीएम चंदरवीर सिंह के बयान और रिपोर्ट के आधार पर हाईकोर्ट ने आदेश दिया कि ये 41 लोग तब तक चुनावी प्रक्रिया में भाग नहीं ले सकेंगे, जब तक वे संघनी पंचायत के एआरओ को अपना वैध निवास प्रमाण पत्र नहीं दिखाते।

इस फैसले से उन लोगों को कड़ा संदेश गया है जो दोहरे राज्यों में मतदाता पहचान पत्र बनाकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया का दुरुपयोग करने की कोशिश करते हैं।

पटाखा फैक्ट्री में भीषण धमाका, आग लगने से 2 मजदूरों की मौत, 15 घायल

» प्रथम न्यूज । मध्य प्रदेश
14 मई (ब्यूरो)

मध्य प्रदेश के देवास जिले में गुरुवार को एक पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण धमाके के बाद आग लगने से बड़ा हादसा हो गया। इस दुर्घटना में कम से कम दो मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 15 अन्य लोग घायल हो गए हैं। घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। अधिकारियों के अनुसार यह हादसा देवास के टोंक कलां इलाके में स्थित एक पटाखा निर्माण यूनिट में हुआ। धमाका इतना जोरदार था कि आसपास के क्षेत्र में भी इसकी आवाज सुनाई दी और कुछ ही पलों में फैक्ट्री परिसर में आग फैल गई।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। घायल मजदूरों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। देवास कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने बताया कि इस पटाखा यूनिट में छोटे पटाखों के निर्माण का काम लगभग 15 दिन पहले ही शुरू किया गया था। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि इस यूनिट का लाइसेंस अनिल मालवीय के नाम पर जारी किया गया था। कलेक्टर ने कहा कि घटना के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

प्रारंभिक स्तर पर यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि धमाका किस वजह से हुआ, लेकिन तकनीकी खराबी या सुरक्षा मानकों के उल्लंघन की संभावना से इनकार नहीं किया गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, धमाका बेहद तेज था और इसकी तीव्रता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि फैक्ट्री के आसपास दूर-दूर तक मलबा और मानव अंगों के टुकड़े बिखरे हुए पाए गए।

इस भयावह दृश्य को देखकर लोग दहशत में आ गए और घटनास्थल पर बड़ी संख्या में भीड़ जमा हो गई।

घटना के बाद इलाके में तनाव और भय का माहौल बना हुआ है। प्रशासन ने क्षेत्र को घेरकर जांच शुरू कर दी है और फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया है ताकि विस्फोट के कारणों का पता लगाया जा सके।

मध्य प्रदेश पुलिस ने कहा है कि सुरक्षा मानकों और लाइसेंस शर्तों की भी जांच की जाएगी। यदि किसी प्रकार की लापरवाही सामने आती है तो संबंधित लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

फिलहाल, घायल मजदूरों का इलाज जारी है और मृतकों की पहचान की प्रक्रिया की जा रही है। प्रशासन ने कहा है कि पूरे मामले की जांच के बाद ही वास्तविक कारण स्पष्ट हो पाएंगे। इस दर्दनाक हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है और लोग औद्योगिक सुरक्षा मानकों को लेकर गंभीर सवाल उठा रहे हैं।

नीट पेपर लीक पर कांग्रेस का प्रदेशव्यापी प्रदर्शन

» प्रथम न्यूज । जयपुर
14 मई (ब्यूरो)

नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले को लेकर प्रदेश में सियासी घमासान तेज हो गया है।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर बुधवार को प्रदेशभर के जिला मुख्यालयों पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध-प्रदर्शन कर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) को भंग करने की मांग उठाई। कई स्थानों पर केंद्रीय मंत्री के पुतले भी जलाए गए।

राजधानी जयपुर में शाम 6 बजे चांदपोल सर्किल पर जयपुर शहर कांग्रेस की ओर से प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन का नेतृत्व जयपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शर्मा ने किया।

इस दौरान पूर्व अध्यक्ष आरआर तिवाड़ी सहित कई कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि नीट पेपर लीक मामले में केंद्र और राज्य सरकार दोनों की भूमिका

संदिग्ध है। प्रदर्शन के दौरान सुनील शर्मा ने कहा कि 22 लाख से अधिक छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हुआ है और इस मामले में निष्पक्ष न्यायिक जांच होनी चाहिए।

उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और एनटीए अध्यक्ष की गिरफ्तारी की मांग करते हुए कहा कि यदि निष्पक्ष जांच हुई तो कई बड़े चेहरे बेनकाब होंगे।

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार पेपर माफियाओं को संरक्षण दे रही है और राजस्थान की छवि खराब करने का प्रयास किया जा रहा है। जयपुर शहर महिला कांग्रेस अध्यक्ष मंजूलता मीणा ने कहा कि पेपर माफियाओं को भाजपा सरकार का संरक्षण प्राप्त है और जमवारामगढ़ से भाजपा विधायक के कार्यकर्ताओं के नाम भी मामले में सामने आए हैं।

हिमाचल नगर निगम चुनाव

कांग्रेस के प्रचार में तेज़ी, CM सुक्खू ने पालमपुर में भरी हुंकार

अंतिम चरण में प्रचार, कांग्रेस ने झोंकी पूरी ताकत, पालमपुर में सीएम सुक्खू की हुंकार, मंडी और अन्य शहरों में भी प्रचार तेज

» प्रथम न्यूज । शिमला
14 मई (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश में चार नगर निगमों में हो रहे चुनाव अब अंतिम चरण में पहुंच गए हैं। इन्हें सत्ता का सेमीफाइनल माना जा रहा है, ऐसे में सभी राजनीतिक दलों ने प्रचार अभियान तेज कर दिया है। कांग्रेस पार्टी ने इस बार अपने चुनाव प्रचार को पूरी ताकत के साथ मैदान में उतार दिया है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के साथ पूरा मंत्रिमंडल लगातार अलग-अलग क्षेत्रों में जनसभाएं और रैलियां कर रहा है।

पार्टी ने मंत्रियों और विधायकों को वार्ड स्तर पर जिम्मेदारियां सौंप दी हैं। विधायक अपने-अपने क्षेत्रों में घर-घर जाकर संपर्क कर रहे हैं और नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से मतदाताओं से कांग्रेस प्रत्याशियों के पक्ष में

वोट देने की अपील कर रहे हैं। संगठन स्तर पर भी बैठकों का दौर लगातार जारी है।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने मंडी के बाद अब पालमपुर में चुनाव प्रचार की कमान संभाली है। यहां उन्होंने कई नुक्कड़ सभाओं को संबोधित करते हुए कांग्रेस उम्मीदवारों के लिए समर्थन मांगा। मुख्यमंत्री जल्द ही धर्मशाला और सोलन में भी प्रचार करेंगे।

प्रदेश कांग्रेस मामलों की प्रभारी रजनी पाटिल पिछले तीन दिनों से हिमाचल के दौरे पर हैं और लगातार नगर निगम क्षेत्रों में पार्टी नेताओं के साथ बैठकें कर रही हैं। उन्होंने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर जोर दिया है।

चार नगर निगमों में जनसभाएं और रोड शो, अंतिम दिन सोलन में बड़ी रैली : कांग्रेस ने मंडी, पालमपुर, धर्मशाला और सोलन में बड़े पैमाने पर जनसभाओं और रोड शो का आयोजन किया है। पार्टी का फोकस मतदाताओं को सीधे जोड़ने और स्थानीय मुद्दों पर समर्थन जुटाने पर है।

हिमाचल कांग्रेस कमेटी के महासचिव विनोद जिंटा ने बताया कि मुख्यमंत्री सुक्खू, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने वीरवार को पालमपुर में रोड शो और नुक्कड़ सभाओं के जरिए जनता से कांग्रेस के पक्ष में मतदान की अपील की।

चुनाव प्रचार के अंतिम दिन मुख्यमंत्री धर्मशाला में भी कार्यक्रम करेंगे और इसके बाद सोलन के गंज बाजार में बड़ी चुनावी रैली को संबोधित करेंगे। कांग्रेस ने पूरी ताकत झोंककर इन चुनावों को जीतने की रणनीति बनाई है।